संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 341
पृष्ठ 8
बुधवार
02 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जन्माष्टमी पर वृंदावन...

विचार- दुष्यन्त कुमार: अनाचार पर प्रहार...

खेल- दानिश कनेरिया ने अपने खिलाड़ियों...

मोदी की फिर अपील

जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदें

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8प्रतिशत रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई नई वीडियो रील में पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर युद्ध, संकट और सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लोगों से विदेश यात्रा, विदेश में शादी और सोने की खरीदारी को लेकर भी खास अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की विकास दर देश की सामूहिक शक्ति, संकल्प और मेहनत का प्रतिबिंब है। उन्होंने देशवासियों से इस रफ्तार को बनाए रखने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने स्वदेशी और श्वोकल फॉर लोकलश को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि देशवासियों को श्मेड इन इंडियाश के मंत्र को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने विदेशों में घूमने–फिरने के लिए जाने और विदेश में शादी करने की प्रवृत्ति से बचने की भी बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जितना ज्यादा देश स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देगा, उतनी ही आर्थिक मजबूती बढ़ेगी। उन्होंने देशवासियों से विकास की इस गति को बनाए रखने के लिए अपने स्तर पर योगदान देने की अपील की।

सोने की खरीदारी को लेकर भी प्रधानमंत्री ने लोगों से सोच–समझकर फैसला लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत न हो तो सोना खरीदने से बचना चाहिए। पीएम मोदी के मुताबिक, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने से देश की आर्थिक ताकत और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों की सामूहिक शक्ति भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश अपनी युवा पीढ़ी को विकसित भारत सौंपने में सफल होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की मेहनत आने वाली पीढ़ी के सपनों को साकार करने का आधार बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत अपनी युवा पीढ़ी को विकसित भारत सौंपेगा। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की कि वे अपनी मेहनत और संकल्प में कोई कमी न रखें। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम है।

पीड़ित परिवरों को मिलेगा मुआवजा

नीट प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट: सभी एफआईआर रद्द

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट–यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। साथ ही सीजेपी ने केंद्र के कदम और कोर्ट के आदेश को देखते हुए पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया। किन राज्यों में प्रदर्शनकारी छात्रों की एफआईआर रद्द होंगी? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस और चार राज्य सरकारों ने कोर्ट से आर्टिकल 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. महेना की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत में दिए गए भरोसे पर कायम है। उन्होंने बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र ने इसके लिए तीन महीने का समय मांगा है। मुआवजे का तरीका तय करने के लिए अलग–अलग राज्य सरकारों और संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी। कोर्ट ने प्रदर्शन से जुड़े मामलों में राहत दी है, लेकिन केंद्र को 2873 ऐसे लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी है, जिनके बारे में आपराधिक इतिहास होने की बात कही गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है। सुनवाई के दौरान वकील हरिहरन ने इन 2873 लोगों की सूची मांगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन लोगों के खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कोर्ट में बताया कि संगठन ने पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र के सकारात्मक भरोसे और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

शिक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे सीटीईटी अभ्यर्थी, बोले-हम लोगों को भी कुछ दिन की छूट दी जाए

पटना,एजेंसी। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आवास पर मंगलवार को बड़ी संख्या में सीटीईटी अभ्यर्थी पहुंचे। अभ्यर्थियों ने मांग की कि उनको भी टीआरई–4 में नौकरी के लिए आवेदन करने का वैसे ही मौका दिया जाए, जैसे एसटीईटी में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को दिया गया है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए अभ्यर्थी रोमा कुमारी ने कहा कि शिक्षा मंत्री से रिक्वेस्ट करने आएं हैं कि जिस तरह से एसटीईटी वालों को मौका दिया गया, वैसे ही सीटीईटी वालों को भी मौका दिया जाए। हम लोगों को भी कुछ दिन की छूट दी जाए। जब उन लोगों को छूट दी गई तो हम लोगों को क्यों नहीं। अभ्यर्थी शोभा कुमारी ने कहा कि हम शिक्षा मंत्री से यही कहने आए हैं कि संविधान में समानता का अधिकार है, अगर एसटीईटी वालों को मौका मिल रहा है तो सीटीईटी वालों को भी मौका मिलना चाहिए। हम लोग कई वर्षों से तैयारी करते आ रहे हैं और जो योग्य विद्यार्थी हैं उनको एक बार तो मौका दिया जाना ही चाहिए। छात्र नेता नरेंद्र सिंह यादव ने कहा, हमारी मांग है कि जिस तरह बीपीएससी टीआरई 1.0 में सीटीईटी में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को मौका दिया गया था और हाल ही में एसटीईटी 2026 के उम्मीदवारों को टीआरई 4.0 में शामिल होने की इजाजत दी गई, उसी नीति का पालन किया जाना चाहिए। बिहार शिक्षा विभाग को सीटीईटी 2026 के उम्मीदवारों को भी टीआरई 4.0 में शामिल होने का मौका देना चाहिए। एक और अभ्यर्थी मोहम्मद यासीन ने कहा, ष्हम यहां शिक्षा मंत्री के आवास पर हैं क्योंकि एसटीईटी अभ्यर्थियों को टीआरई–4 में मौका दिया गया है, जबकि सीटीईटी 2026 अभ्यर्थियों को नहीं। सीटीईटी अभ्यर्थियों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। हमारी मांग सरल हैय जैसे एसटीईटी अभ्यर्थियों को टीआरई–4 में अवसर दिया गया है, उसी तरह सीटीईटी अभ्यर्थियों को भी वही अवसर दिया जाना चाहिए। अभ्यर्थी धीरज कुमार ने कहा कि यह कौन सा तरीका है कि सरकार की ओर से स्टेट वालों को जगह दी गई। सीटीईटी वालों ने ऐसा क्या किया है? यह क्या मजाक है। हम सरकार से खाने की मांग थोड़ कर रहे हैं, हम सरकार से मौका मांग रहे हैं। अगर हमारे अंदर योग्यता होगी तो हम लेंगे। यह कौन सा तरीका है कि एसटीईटी वालों को लेना है और सीटीईटी वालों को नहीं लेना है।

अचानक प्रेसिडेंसी जेल पहुंचे सीएम शुभेंदु, अफताब की सेल से मोबाइल-राउटर मिलने के बाद बढ़ी हलचल

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता की प्रेसिडेंसी जेल में आतंकी अफताब अंसारी की हाई सिक्योरिटी सेल से मोबाइल फोन और अत्याधुनिक संचार उपकरण मिलने के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मंगलवार को अचानक जेल पहुंच गए। मुख्यमंत्री करीब सवा दो बजे जेल पहुंचे। उनके अचानक जेल पहुंचने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हलचल बढ़ गई। हालांकि, मुख्यमंत्री की ओर से दौरे को लेकर तत्काल कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। मुख्यमंत्री ने जेल परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बंदियों की कार्यशाला और विभिन्न वार्डों का जायजा लिया तथा बंदियों से उनकी सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने ऋषि अरविंद की प्रतिमा और उनके नाम से जुड़े सेल का भी निरीक्षण किया। 23 अगस्त को जेल में तलाशी के दौरान अमेरिकी सूचना केंद्र पर हमले के दोषी अफताब अंसारी की सेल से तीन मोबाइल फोन, तीन सक्रिय सिम कार्ड, दो राउटर, वाई–फाई उपकरण, 128 जीबी की पेन ड्राइव, कार्ड रीडर, ओटीजी उपकरण, ईयरफोन और 31 हजार रुपये नकद बरामद किए गए थे। इनमें एक आईफोन भी शामिल है। अफताब को उच्च सुरक्षा वाले 1ध्22 वार्ड की 14 नंबर सेल में रखा गया था। वहां छह कैमरों से निगरानी और 24 घंटे सुरक्षा के बावजूद इतने उपकरण उसकी सेल तक कैसे पहुंचे, इसकी जांच चल रही है।

राहुल गांधी का ईसी पर हमला, महाराष्ट्र में एसआईआर के बाद मचा सियासी घमासान

यह चुनाव आयोग नहीं वोट चोरी आयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। एसआईआर प्रक्रिया के बाद महाराष्ट्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2,06,88,487 मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हो पाए हैं। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने BJP और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, घर बदल चुके थे, उनकी मृत्यु हो चुकी थी या उनके नाम डुप्लीकेट थे। वहीं, जिन पात्र मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें 30 सितंबर तक दावा–आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी। राहुल गांधी ने कहा कि श्वोट चोरीश के जरिए बनी सरकार के लिए जनता महत्वपूर्ण नहीं है। यही वजह है कि BJP न तो लोगों की बात सुनती है और न ही उनके आदेश का पालन करती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा और वोट चोरी आयोग अपनी चालें बदलते रहते हैं और आगे भी ऐसा ही करेंगे – मकसद बस एक ही है– किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत और भारत के लोकतंत्र का खात्मा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद तैयार की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 2.06 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हैं। यह संख्या महाराष्ट्र के पिछले वोटर बेस का 21.14 प्रतिशत है। राज्य के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अब 7.71 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, जो पिछले वोटर बेस का 78.86 प्रतिशत है। इनमें 3.95 करोड़ पुरुष, 3.75 करोड़ महिलाएं और 3,087 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 2,06,88,487 लोगों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया गया है। इनके एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हो पाए। इनमें ऐसे लोग शामिल हैं जो अपने पते पर नहीं मिले, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जिन्होंने अपना घर बदल लिया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा, महाराष्ट्र 2024 –अचानक, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच 39 लाख नए वोटर्स जोड़े गए। मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूं– यह वोट चोरी थी। उन्होंने आगे कहा, बंगाल 2026 – SIR में जिन लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से 91प्रतिशत को अपील के बाद वापस जोड़ना पड़ा। इसका मतलब है कि हर 10 में से 9 नाम गलत तरीके से हटाए गए थे और चुनाव के बाद ही उन्हें वापस जोड़ा गया। मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूंरू यह वोटों की चोरी थी। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, और अब महाराष्ट्र में, ड्राफ्ट लिस्ट से 2.07 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं – यानी हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, लोकसभा 2024 रू 9.29 करोड़, विधानसभा 2024 रू 9.7 करोड़, SIR 2026 7.78 करोड़। कौन सी लिस्ट सही थी? जो सरकार वोटों की चोरी पर बनी हो, उसके लिए जनता अहम नहीं होती – इसीलिए यह ठश्रन तो जनता की बात सुनती है और न ही उनके आदेश का पालन करती है। एसआईआर शुरू होने से पहले महाराष्ट्र में कुल 9.78 करोड़ मतदाता थे। इनमें से 78.86 प्रतिशत मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर रोल में शामिल हो पाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुणे में सबसे ज्यादा 28.6 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हो पाए।

दिल्ली को केंद्र सरकार देगी 1000 मीट्रिक टन प्याज : सीएम रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी। राजधानी में प्याज की कीमतों और उपलब्धता को लेकर बन रहे दबाव के बीच दिल्ली सरकार ने लोगों को बड़ी राहत देने की पहल की है। केंद्र सरकार ने दिल्ली के लिए 1000 मीट्रिक टन प्याज उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसे उचित दर दुकानों के माध्यम से 35 रुपये प्रति किलो की दर से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार राजधानी में प्याज का संकट पैदा नहीं होने देगी। सरकार का उद्देश्य दिल्लीवासियों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ–साथ उन्हें उचित और सस्ती दरों पर प्याज उपलब्ध कराना है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि प्याज जैसी आवश्यक खाद्य वस्तु आम लोगों की पहुंच से बाहर न हो। उचित दर दुकानों के साथ–साथ दिल्ली के सभी 13 जिलों में एक–एक वैन के माध्यम से भी प्याज की बिक्री की जाएगी। ये वैन राजधानी के अलग–अलग इलाकों में जाकर लोगों को 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध कराएंगी। वैन के माध्यम से बिक्री का उद्देश्य उन क्षेत्रों तक भी सस्ता प्याज पहुंचाना है, जहां लोगों को उचित दर दुकानों तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। इससे राजधानी के विभिन्न इलाकों में प्याज की उपलब्धता बढ़ेगी और अधिक संख्या में दिल्लीवासियों को इसका लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार प्याज की उपलब्धता और कीमतों पर लगातार नजर रख रही है। सरकार का प्रयास है कि राजधानी में किसी भी स्थिति में प्याज का संकट पैदा न हो और लोगों को उचित दर पर आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध होती रहे। दिल्ली सरकार आम लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्याज की सस्ती और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के लिए 1000 मीट्रिक टन प्याज उपलब्ध कराने का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग है।

खरगे का पीएम से सवाल जनता के लिए कहां है जश्न

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का जश्न मनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोग अब भी बेरोजगारी, महंगाई और असमानता से जूझ रहे हैं। एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में खरगे ने कहा, ष्लाइट्स। कैमरा और निष्क्रियता। जब अर्थव्यवस्था की बात आती है तो पीएम मोदी के प्रचार की यही कहानी है। उन्होंने कहा, ष्पीएम नरेंद्र मोदी, आप कह रहे हैं कि देश जीडीपी वृद्धि का जश्न मना रहा है। आपके पास यह सुविधा हो सकती है, लेकिन आम आदमी के पास नहीं है। हमारे आम लोग तीन यू से परेशान हैं और इसके लिए आप जिम्मेदार हैं। खरगे ने इन तीन यू का मतलब अभूतपूर्व (अनप्रिसीडेंट) बेरोजगारी, असहनीय (अनबियरेबल) महंगाई और बेलगाम (अनब्राइडल्ड) असमानता बताया। बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, बेरोजगारी 50 साल के उच्चतम स्तर पर है। 40 प्रतिशत युवा स्नातक बेरोजगार हैं। जुलाई 2026 में 15 से 29 वर्ष की उम्र के हर छह में से एक युवा भारतीय बेरोजगार था। हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा टूट चुका है। महंगाई पर खरगे ने आरोप लगाया, खुदरा महंगाई 19 महीने के उच्चतम स्तर पर है। चीनी, प्याज, टमाटर, दाल, खाना पकाने का तेल, चावल, दूध, रसोई की हर जरूरी चीज महंगी हो रही है।

शहर समता NEWS
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

पटाखा फैक्टरी विस्फोटः मेरे बच्चों को बचा लो, बच्चों की आवाज तलाशती रही मां, थम चुकी थीं तीन बच्चों की सांसें

प्रयागराज। दोपहर में अनीता अपने चार बच्चों को पढ़ा रही थी। पड़ोस के पटाखा गोदाम में हुए धमाके से घर मलबे में बदल गया। जाह्नवी, आदित्य और रवि की मौत हो गई, अनीता घायल है। दोपहर का वक्त था। घर में सब कुछ सामान्य था। अनीता (35) अपने चारों बच्चों बेटी जाह्नवी (12), बेटे आदित्य (12), अमित (13) और रवि (8) को बैठाकर पढ़ा रही थी। पति घर पर नहीं थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ सेकंड में यह घर चीख पुकार व मलबे में बदल जाएगा। फिर एक ऐसा धमाका हुआ कि अनीता के कान सुन्न हो गए।

तेज आवाज के साथ घर की दीवार फटी और उसका हिस्सा अनीता के सिर पर आ गिरा। धूल का गुबार उठा। कुछ पल के लिए उसे कुछ दिखाई दिया न सुनाई दिया। वह बेहोश हो गई। कुछ देर बाद अनीता को होश आया। आंखें खुलीं तो सामने वह घर नहीं था जिसमें कुछ देर पहले बच्चों की पढ़ाई चल रही थी। चारों तरफ मलबा था। चीख–पुकार थी। वह एक–एक कर उनके नाम पुकारने लगी जाह्नवी... आदित्य... अमित... रवि... उसे लगा बच्चे कहीं मलबे के नीचे फंसे हैं। वह उनकी आवाज सुनने की कोशिश करती रही। उसे बच्चों की आवाजें सुनाई देती रहीं। घायल होने के बावजूद वह बचाव में जुटे लोगों से कहती कि मेरे बच्चों को बचा लो, चारों बच्चे अंदर दबे हैं।

आंखों के सामने सब कुछ तहस–नहस

जिन बच्चों के नाम लेकर वह उन्हें बचाने की गुहार लगा रही थी उनमें से जाह्नवी, आदित्य और रवि की मौत हो चुकी थी। अनीता को इसकी जानकारी नहीं थी। अनीता ने बताया कि जिस घर में पटाखों का गोदाम चल रहा था, उससे उसका मकान तीसरे नंबर पर था। धमाका इतना जबरदस्त था कि उसकी चपेट में आसपास के मकान भी आ गए।

आंखों के सामने सब कुछ तहस–नहस हो गया। वहीं, अस्पताल में अनीता ने रोते हुए बताया कि अगर उसे पहले से पता होता कि पड़ोस में पटाखे बनाए जा रहे हैं तो वह अपने बच्चों को लेकर कहीं दूर चली जाती। कौन पटाखा बनाता था, इसकी उसे जानकारी नहीं है। घायल अनीता अस्पताल पहुंच गई। उसके सिर पर पट्टी बंधी थी लेकिन उसे अपनी चोट को लेकर चिंता नहीं थी। उसकी आंखें अपने बच्चों को तलाश रही थीं। वह बार–बार यही पूछती रही कि उसके बच्चे कहां हैं।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से नौ लोग हुए थे घायल

प्रयागराज। अरैल बंधा रोड स्थित सेल्फी पॉइंट पर रविवार रात हुए हादसे में एक किशोर सहित दो की मौत के साथ ही कुल नौ लोग घायल हुए थे। इसमें कार चालक सहित तीन की हालत गंभीर बनी है। मामले में मृत किशोर के ताऊ अमर राम पुत्र शंभू निवासी अरैल की तहरीर पर पुलिस ने कार नंबर के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। सोमवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद मृतकों का शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। हंगामे की आशंका को देखते हुए पहले से ही मृतकों के घर के पास पुलिसकर्मी मौजूद रहे। परिवारवालों ने उनका यमुना पुल के नीचे अंतिम संस्कार कर दिया। अरैल के सेल्फी पॉइंट के पास दो सप्ताह पहले सड़क अचानक 10 फीट धंस गई थी। गड्ढा पाटने के बाद भी सड़क पर तीन फिट तक गिट्टी इकट्ठा थी। रविवार रात शहर से डीपीएस की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार गिट्टी पर चढ़ने के बाद अनियंत्रित हो गई थी। इसके बाद सेल्फी पॉइंट के पास खड़े दो बाइक के साथ एक गुमटी व एक ठेले को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में गुमटी में बैठा आयुष उर्फ किशन (14) पुत्र गुड्डू निषाद निवासी मल्लाही टोला, अरैल व ठेला संचालक टीटू उर्फ विजय भारतीय (35) पुत्र स्व. हरिश्चंद्र भारतीय निवासी जहांगीराबाद गंजिया की मौत हो गई थी। हादसे में गोलू निषाद का पुत्र ईशान, आरव निषाद के साथ जौनपुर निवासी कार सवार शिवम यादव, अमित यादव, मिर्जापुर के रैकल पिपरहा निवासी राहुल कुमार पांडेय पुत्र राजेश पांडेय और गौरव कुमार पांडेय पुत्र राजेंद्र कुमार पांडेय, भदोही के औराई निवासी विवेक मिश्रा पुत्र हृदय नारायण मिश्रा, हंडिया के आसेपुर निवासी विशाल कुशवाहा पुत्र विनोद कुशवाहा, कोरांव स्थित सेमरी निवासी सिद्धार्थ सिंह पटेल पुत्र पंकज सिंह और चाका ब्लॉक के विशाल घायल हैं। इसमें कार सवार शिवम यादव सहित दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है।

बताते हैं कि कार की रफ्तार काफी अधिक थी। कार की चपेट में आने से लोहे की गुमटी दस फीट दूर पहुंच गई थी। दोनों बाइक व ठेले के चीथड़े उड़ गए थे। आसपास मौजूद दुकानदारों ने बताया कि कार की रफ्तार काफी अधिक थी। पुलिस के अनुसार, कार जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के नई गंज निवासी आशीष कुमार पुत्र रमा शंकर की है। कार के नंबर से इसकी जानकारी हुई। कार के रजिस्ट्रेशन में मौजूद नंबर से ही घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। कार में सवार घायल के परिवार वाले देर रात एसआरएन अस्पताल पहुंच गए थे। लोगों ने बताया कि कार में दो नहीं पांच लोग सवार थे। पुलिस जब पहुंची तो वहां पर केवल दो घायल ही मिले। पुलिस का कहना है कि कार के अंदर से दो घायल की जानकारी है।

दुर्घटना के बाद कार के अंदर फंसे लोगों का आसपास के दुकानदारों ने बाहर निकाला। कार के अंदर हॉकी स्टिक के साथ शराब की पांच बोतल भी पड़ी हुई थी। वहां पर मौजूद दुकानदारों ने बताया कि कार के अंदर पिस्टल के साथ दो बैग थे। कार के अंदर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें कार के अंदर हॉकी स्टिक व शराब की बोतल पड़ी हुई दिखाई दे रही है। कार से पिस्टल मिलने की बात को पुलिस इन्कार कर रही है। हालांकि, संवाद एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

मृतक आयुष उर्फ किशन दो बहनों में छोटा था। उसके पिता गुड्डू निषाद मजदूरी करते हैं। वहीं मां मानसिक बीमार है। वहीं, ठेला संचालक टीटू उर्फ विजय भारतीय के तीन बच्चे हैं। वह सेल्फी पॉइंट पर ठेला लगाता था। उसके एक बेटी व दो बेटे हैं।

हादसे के बाद भी सोमवार शाम तक अरैल सेल्फी पॉइंट के पास सड़क पर इकट्ठा गिट्टी को नहीं हटाया जा सका। सोमवार दोपहर को सेल्फी पॉइंट पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने सड़क पर फैली गिट्टी को इकट्ठा करवाते हुए उसके चारों तरफ फिर से बैरिकेडिंग की।

साधन सहकारी समिति मझिगवां के सचिव लापता

प्रयागराज। कोरांव के मझिगवां स्थित साधन सहकारी समिति के सचिव संतोष कुमार सिंह (58) दो दिन से लापता हैं। वह 29 अगस्त को सुबह नौ बजे काम पर घर से निकले थे। शाम पांच बजे तक घर न लौटने पर स्वजनों ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया। उनका मोबाइल नंबर बंद बता रहा है। स्वजनों ने रिश्तेदारों सहित कई संभावित जगहों पर उनकी तलाश की। कोई सुराग न मिलने पर उनके पुत्र अंकित सिंह ने कोरांव थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद संतोष कुमार सिंह की तलाश शुरू कर दी है।

आफत की बारिशः बाढ़ से हालात भयावह, चित्रकूट में 80 घर गिरे, प्रयागराज में आबादी तक जलभराव, ये नदियां उफान पर

प्रयागराज। प्रदेश में मानसून सक्रिय, भारी बारिश से गंगा, यमुना, मंदाकिनी उफान पर हैं। चित्रकूट में बाढ़ से 100 से अधिक परिवार प्रभावित, 80 मकान गिरे। योगी सरकार राहत कार्य में जुटी है।

प्रदेश में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। कई जिलों में भारी बारिश से गंगा, यमुना, मंदाकिनी उफान पर है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ ने परसौंजा गांव में भारी तबाही मचाई है। अब तक 100 से अधिक परिवार चपेट में आए, 80 से अधिक कच्चे मकान गिर गए हैं।

हालात इतने भयावह हैं कि घरों में रखा अनाज बर्बाद हो गया, गृहस्थी का सामान, कपड़े और जरूरी चीजें तेज बहाव में बह गईं। रामघाट, तरीहा, गोबारिया सहित मानिकपुर के कई गांवों में बिजली व्यवस्था ध्वस्त होने से जलापूर्ति ठप हो गई। लोगों के मोबाइल भी चार्ज नहीं हो पा रहे हैं। इधर, प्रयागराज में भी गंगा–यमुना

का पानी आबादी तक पहुंच गया है। लोगों को नाव से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जा रहा है।

रायबरेली में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई, जबकि बलरामपुर के महराजगंज तराई के तीन गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया। उधर, पूर्वांचल में गंगा, गोमती, सरयू का जलस्तर बढ़ रहा है। बलिया में गंगा और सरयू और वाराणसी में वरुणा खतरे के निशान से ऊपर है। इससे तटवर्ती इलाकों में पलायन होने लगा है।

गाजीपुर में गंगा खतरा बिंदु 63.105 मीटर से नीचे बह रही है। रविवार शाम को सुहवल के डूहिया सरैया के पास गंगा के टापू पर 12 चरवाहे और 2000 से ज्यादा भेंड़ें फंस गईं। पुलिस–प्रशासन ने नाइट विजन ड्रोन से छह घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलवाकर सुरक्षित निकाला। बाढ़ के के कारण रेवतीपुर–मां कामाख्या धाम मार्ग पर आवागमन बंद है। गोमती में उफान के कारण गौरी–तेतारपुर मार्ग डूब गया है।

बाढ़ राहत अभियान तेज

लाखों लोगों को सहायता

प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दी है। प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है।

उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, रविवार तक 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक कोई जनहानि या पशुहानि नहीं हुई है। करीब 1.70 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सरकार ने प्रभावित आबादी को तत्काल सहायता देने पर जोर दिया है। इसके लिए कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। 525 नाव और मोटरबोट से आवागमन प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य जारी है।

वाराणसी के सभी घाट डूबे

वाराणसी में लगातार गंगा का जलस्तर बढ़ाव पर है। बरसाती और सहायक नदियों में उफान का असर अब बनारस में भी दिख रहा है।

सुरवां दलापुर गांव में सोमवार को कजरी पर्व को लेकर जौ की जरई डुबाने कर्णावती नदी गईं पांच किशोरियों में से दो तेज बहाव में बह गईं। एक किशोरी को डूबता देख उसे बचाने के प्रयास में चार अन्य भी बहाव की चपेट में आ गईं। ग्रामीणों ने तीन किशोरियों को सकुशल बाहर निकाल लिया, जबकि शैलेंद्र मिश्र की पुत्री शुभी मिश्रा (14) और राजेश तिवारी उर्फ बबोले की पुत्री अर्पिता उर्फ अंकिता तिवारी (14) का देर शाम तक पता नहीं चल सका।

काशी में सोमवार रात नौ बजे तक गंगा का जलस्तर 70.15 मीटर पहुंच गया, जो चेतावनी बिंदु से महज 11 सेंटीमीटर नीचे है। वहीं, वरुणा नदी खतरे के निशान 70.21 मीटर से बढ़कर 70.95 मीटर पर पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से सामनेघाट, पुलकोहना, सलारपुर समेत 10 से अधिक तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। इन क्षेत्रों के 361 परिवार के 1574 लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन किया। कई परिवार पिछले दो सप्ताह से बाढ़ राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

तो टल सकता था मनौरी का धमाका

पड़ोसियों की सुन लेता प्रशासन, तो न होतीं 11 मौतें, दो साल पहले जेल गया था नौशाद

मंझनपुर (प्रयागराज)। मनौरी बाजार में अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट हुआ। मुख्य आरोपी नौशाद पहले भी जेल गया था पर छूटकर बेटे अदील के नाम से कई जिलों में अवैध कारोबार फिर शुरू किया।

मनौरी बाजार में सोमवार को अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट के बाद जिले में अवैध पटाखा कारोबार की परतें खुलने लगी हैं। हादसे के मुख्य आरोपियों में शामिल नौशाद के खिलाफ दो साल पहले भी अवैध पटाखा फैक्टरी संचालित करने के मामले में कार्रवाई हो चुकी है। वर्ष 2024 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोप है कि वर्ष 2025 में दीपावली से पहले जेल से बाहर आने के बाद उसने फिर पुराने कारोबार को चोरी–छिपे शुरू कर दिया।

एसपी सत्यनारायण ने बताया कि वर्ष 2024 में नौशाद के खिलाफ अवैध पटाखा फैक्टरी संचालित करने के आरोप में कार्रवाई की गई थी। जेल से बाहर आने के बाद उसके दोबारा अवैध पटाखा कारोबार में सक्रिय होने की जानकारी सामने आई है। सोमवार को हुए विस्फोट के बाद पुलिस ने नौशाद और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेटे के नाम पर कारोबार, कई जिलों तक पहुंचाता था पटाखा

स्थानीय लोगों का कहना है कि नौशाद लंबे समय से अवैध पटाखे के कारोबार से जुड़ा था। आरोप है कि वह अपने बेटे अदील के नाम से पटाखों का कारोबार संचालित करता था। तैयार पटाखों की आपूर्ति कौशाम्बी के अलावा फतेहपुर, चित्रकूट और आसपास के अन्य जिलों में भी किए जाने की बात सामने आई है।

नौशाद और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब अवैध पटाखा निर्माण, भंडारण और सप्लाई के पूरे नेटवर्क की भी जांच कर रही है। –सत्यनारायण, एसपी

पुरानी कार्रवाई के बावजूद चलता रहा कारोबार

सबसे बड़ा सवाल यही है कि वर्ष 2024 में कार्रवाई और जेल भेजे जाने के बाद भी नौशाद कथित तौर पर दोबारा अवैध पटाखा कारोबार कैसे शुरू कर सका। क्या स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी पुलिस और प्रशासन को नहीं थी या फिर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई? सोमवार के भीषण विस्फोट के बाद अब इन सवालों के जवाब भी जांच के घेरे में हैं।

विरोध किया तो धमकी देकर करा देता था चुप

पटाखा फैक्टरी के बगल में बूंदी का कारखाना चलाने वाले सिंटू उर्फ इशांत केसरवानी ने आरोप लगाया कि अवैध तरीके से पटाखा निर्माण किए जाने का उन्होंने और आसपास के लोगों ने कई बार विरोध किया था।

उनका कहना है कि नौशाद और उसके बेटे अदील से पटाखा निर्माण बंद करने के लिए कहा गया, लेकिन विरोध करने पर मोहल्ले के लोगों को धमकाया जाता था। इसी वजह से लोग खुलकर विरोध करने से डरते थे।

विस्फोट का भयावह मंजरः रॉकेट लॉन्चर जैसा हमला.. 100 मीटर तक दीवारों में सुराग, 500 मी. दूर गिरी ईंटें

प्रयागराज। एक शक्तिशाली विस्फोट से घरों को भारी नुकसान हुआ, मलबा दूर तक फैला। एक बाइक सवार घायल हुआ। दहशत में लोग भागे, एक परिवार हादसे का शिकार। घटना स्थल से तकरीबन 100 मीटर दूरी पर स्थित सोम्मारी के घर की दीवारों में बड़े–बड़े सुराख बन गए। उन्होंने बताया कि धमाके बाद दीवारों पर पत्थर से हमले जैसे लगा। परिवार समेत वह बाहर भागे। धुएं से अंधेरा छाया था। बच्चे रोने लगे थे। शाम तक पूरा परिवार सड़क पर ही बैठा रहा।

विस्फोट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि घटना स्थल से करीब पांच सौ मीटर दूर स्थित ओवरब्रिज पर ईंटो के टुकड़े गिरे। ग्रामीणों ने बताया कि उनके घरों की बुनियादें हिल गईं। दिन में अंधेरा था। शाम तक भीड़ जुटी रही। दूर–दूर से लोग आते रहे। जितने मुंह, दहशत की उतनी कहानियां सामने आईं। घटना के समय करीब चार सौ मीटर दूर एक बाइक सवार गुजर रहा था, जिसका ईंट से सिर फट गया।

चश्मदीद रानी बोलीं– बच्ची को घसीटते हुए भागी थीं

जिस मकान में विस्फोट हुआ, उससे करीब 20 मीटर की दूरी पर रानी का मकान है। उन्होंने बताया कि वह घर पर खाना बना रहीं थीं। विस्फोट होते ही पड़ोस की एक बच्ची दौड़ते हुए उनके घर में घुस गई। इतने में वह बच्ची को घसीटते हुए भागीं। पति और एक बेटा भी बाहर आ गए। उन्होंने बताया कि ईश्वर की कृपा रही कि वह सब बच गए। लेकिन बच्ची का परिवार हादसे का शिकार हो गया।

2024 में 12 लोगों की मौत से दहल उठा था भरवारी

25 फरवरी 2024 को भरवारी कस्बे के खल्लाबाद मोहल्ले में पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा था। सुबह करीब 11 बजे हुए धमाके में फैक्टरी मालिक समेत सात लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। गंभीर रूप से झुलसे पांच अन्य मजदूरों ने प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस हादसे में कुल 12 लोगों की जान गई थी।

विस्फोट इतना जबरदस्त था कि कई मजदूरों के चीथड़े उड़ गए। शव और शरीर के अंग करीब 200 मीटर दूर खेतों तक बिखरे मिले थे। हादसे के बाद फैक्टरी में करीब चार घंटे तक रुक–रुक कर धमाके होते रहे। आग बुझाने और अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए कौशांबी, फतेहपुर और प्रयागराज की दमकल टीमें कई घंटे तक जुटी रहीं।

जनरेटर की चिंगारी बनी थी वजह

पुलिस की शुरुआती जांच में जनरेटर से निकली चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई गई थी। आग ने फैक्टरी में रखे पटाखों को चपेट में ले लिया, जिसके बाद विस्फोट होने लगे। वहीं घटना के समय करीब 15 मजदूर फैक्टरी में काम कर रहे थे।

कार सवारों ने युवती को अगवाकर किया दुष्कर्म

प्रयागराज। क्षेत्र की एक युवती को कार सवार युवकों ने अगवाकर दुष्कर्म किया। रविवार शाम सात बजे युवती थरवई क्षेत्र के 40 नंबर गुमटी पर खरीदारी करने आई थी। वहां कार सवार युवकों ने जबरन उसे अपनी गाड़ी में बैठा लिया। वे उसे सुनसान स्थान पर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवक रात 12 बजे उसे 40 नंबर गुमटी पर छोड़कर चले गए।

घर पहुंचकर युवती ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने 112 पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सुबह थाने में तहरीर देने को कहकर वापस चली गई। सुबह परिजनों ने तहरीर दी। युवती के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं हुई। थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है और मामले की जांच की जा रही है। एसीपी थरवई अजेंद्र यादव ने बताया कि युवती की तहरीर पर नामजद किए गए चारों युवक एक–दूसरे को पहले से जानते हैं। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

झूंसी के अरविंद बने औसानपुर दंगल के चैंपियन पहलवान

प्रयागराज। हंडिया ब्लॉक के औसानपुर गांव में आयोजित पारंपरिक दंगल प्रतियोगिता में झूंसी के अरविंद पहलवान ने कानपुर के गोलू को पटखनी देकर चौंपियन बने। झूंसी के सूरज ने दरवासी भदोही के शिवानंद को, मुजहरा भदोही के सुरेंद्र ने राजस्थान के काशी को, अयोध्या के सुदामा ने राजस्थान के कटप्पा को, बवई भदोही के राणा सिंह ने फतेहपुर के रजत को, झांसी के रितेश ने जौनपुर के विकास को, वाराणसी के नरसिंह ने नेपाल के बादल थापा को, गोरखपुर की नम्रता ने कानपुर की मुस्कान को तथा झूसी के फूलचंद ने कौशांबी के अजीत पहलवान को चित किया। इससे पहले पहलवानों की जोड़ी को हाथ मिलवाते हुए पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुरेश चंद्र मौर्य ने कहा कि पूर्वजों की ओर से शुरू की गई इस परंपरा को कायम रखना सराहनीय है। इस मौके पर प्रधान पंकज मौर्य, कड़ेदीन मिश्रा, जोखन लाल यादव, रामफल, डॉ.संतोष मौर्य, भोला पासी, चंद्रभान मौर्य, प्रेमचंद मौर्य आदि रहे।

निषाद जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग

प्रयागराज। निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नायब तहसीलदार बारा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने निषाद जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जनगणना में निषाद की पर्यायवाची जातियों को मझवार और तुरेहा के कॉलम में (डीटी) विमुक्त जनजाति के रूप में दर्ज किया जाए। पार्टी ने उत्तर प्रदेश में निषाद जातियों को अन्य राज्यों की तरह अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की अपील की। जस्टिस वेंकटचलैया की सिफारिशों के अनुसार, विमुक्त जनजातियों को महाराष्ट्र और पंजाब की तरह आरक्षण व पेंशन मिले। इस मौके पर राकेश निषाद, राम टहल निषाद, श्याम धर, संतोष मांझी, धीरज, विकास निषाद, महेंद्र बिंद और विद्या देवी बिंद आदि रहे।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के गदियानी गांव में रविवार देर शाम करंट की चपेट में आने से 34 वर्षीय महिला की मौत हो गई। गदियानी निवासी संदीप कुमार की पत्नी कंचन देवी शुक्रवार को रक्षाबंधन पर मायके सकरामऊ गई थीं। रविवार शाम वह घर लौटीं। घर आकर जेवर उतारकर लोहे की अलमारी में रख रही थीं, तभी अलमारी में पहले से उतरे करंट की चपेट में आ गईं। बताया गया कि बारिश के कारण कटे केबल से घर में करंट फैला था। तेज झटका लगने से वह बेसुध होकर गिर पड़ीं। परिजन उन्हें नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिवार में मातम छा गया। पति संदीप, बेटे शनि और बेटियों लाजो, लाडो व करीना बेहाल हो गए।

शिक्षा मंत्री का आवास पर 68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का हंगामा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। नियुक्ति की मांग को लेकर करीब एक घंटे तक नारेबाजी और हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। प्रदर्शन में दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने ऐसी क्या मजबूरी है–आरक्षण की चोरी है और 'पिछड़ा आयोग ने माना है–आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। पुलिस सभी अभ्यर्थियों को टांगकर वहां से ले गई। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, वर्ष 2018 में 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी। इसमें दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 5: की छूट का प्रावधान था। आरोप है कि इन चारों श्रेणियों के अभ्यर्थियों को इसका लाभ नहीं मिला और सामान्य अभ्यर्थियों के साथ ही परिणाम जारी कर दिया गया। अभ्यर्थियों की मांग है कि भर्ती परीक्षा के पासिंग मार्क्स में 5: की छूट दी जाए। उनका कहना है कि 150 पूर्णांक वाली परीक्षा में 60 अंक यानी 40: अंक पर परिणाम संशोधित कर नई चयन सूची जारी की जाए। सीतापुर से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फ चप्पल घिस रहे हैं। प्रदर्शनकारी ने कहा कि दर्जनों बार शिक्षा मंत्री के आवास पर जाकर गुहार लगा चुके हैं। अधिकारियों के पास भी गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आरोप है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी हठधर्मी और आरक्षण विरोधी हैं। वे सरकार की छवि खराब करने के लिए अभ्यर्थियों और मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं। हम लोग साधारण परिवारों से आते हैं। पिता ने अपनी फसल बेचकर हमें पढ़ाया है। अब हालात ऐसे हैं कि कर्ज लेकर लखनऊ आना पड़ता है। यहां आने पर कई रात भूखे रहना पड़ता है। रेलवे और बस स्टेशन पर रात गुजारने को मजबूर हैं। अलीगढ़ से आए महाराज सिंह ने कहा कि अब उनके सामने ओवरएज होने की तलवार लटक रही है। नौकरी के महज 10 से 12 साल ही बचे हैं, लेकिन अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला है। अगर समय पर नियुक्ति नहीं मिली तो नौकरी कितने दिन चलेगी, यह भी बड़ा सवाल है। शिक्षा मंत्री संदीप सिंह हमारे क्षेत्र अलीगढ़ के हैं, लेकिन अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं नहीं सुनते।

'गोल्डन ट्यूलिप होटल लखनऊ में सजा 'दक्षिण फ्लेवर्स' का रंग

कोस्टल किचन के प्रामाणिक जायकों से महका साउथ इंडियन स्वादों का खास अनुभव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ स्थित गोल्डन ट्यूलिप होटल में आज से शुरू हुआ 'दक्षिण फ्लेवर्स दृ कोस्टल किचन के जादू को फिर से जीवंत करते हुए नाम से 'विशेष साउथ इंडियन फूड फेस्टिवल शुरू हो गया है,जो कि 8 सितंबर 2026 तक चलेगा। इस विशेष फूड फेस्टिवल में मेहमानों को दक्षिण भारत की समृद्ध पाक परंपरा, पारंपरिक मसालों और कोस्टल किचन के प्रामाणिक स्वादों का अनुभव कराया जा रहा है। खास रेसिपीज और चुनिंदा व्यंजनों को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए आयोजन को एक खास पाक–कला अनुभव का रूप दिया गया है।गोल्डन ट्यूलिप लखनऊ के जनरल मैनेजर अमित सिंह चौहान' ने कहा कि,"दक्षिण फ्लेवर्स' के आयोजन के पीछे हमारा उद्देश्य दक्षिण भारतीय और कोस्टल किचन की समृद्ध पाक विरासत को उसके प्रामाणिक स्वाद और पारंपरिक पहचान के साथ मेहमानों तक पहुंचाना है। हमने मेन्यू में ऐसे व्यंजनों को शामिल किया है, जो अपने स्वाद, मसालों और पारंपरिक तैयार करने की शैली के लिए विशेष पहचान रखते हैं। हमें उम्मीद है कि यह फूड फेस्टिवल मेहमानों को स्वाद के साथ दक्षिण भारत की पाक संस्कृति से जुड़ने का एक यादगार अवसर प्रदान करेगा।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झाँसी मंडल के धौलपुर-बीना खंड में वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 01 पर बैलास्टलेस ट्रैक के निर्माण कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों के मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	पूर्व में मार्ग परिवर्तन	परिवर्तित मार्ग	मार्ग परिवर्तन तिथि
12108 सीतापुर - लोकमान्य तिलक (ट.)	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	22.11.26 से 27.12.26 तक
22583 छपरा - लोकमान्य तिलक (ट.)	गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	गोविन्दपुरी-कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	24.11.26 से 22.12.26 तक
12590 चर्लपल्ली - गोरखपुर	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन केबिन-हमीरपुर रोड-कानपुर सेंट्रल-	19.11.26 से 24.12.26 तक
11407 पुणे - लखनऊ	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन केबिन-हमीरपुर रोड-कानपुर सेंट्रल-	24.11.26 से 22.12.26 तक
09468 दरभंगा-अहमदाबाद	गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-गुना	गोविन्दपुरी-इटावा-ग्वालियर-गुना	23.11.26 से 28.12.26 तक
09465 अहमदाबाद-दरभंगा	गुना-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-गोविन्दपुरी	गुना-ग्वालियर-इटावा-गोविन्दपुरी	20.11.26 से 25.12.26 तक
11123 ग्वालियर - बरौनी	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	ग्वालियर-इटावा-कानपुर सेंट्रल	20.11.26 से 29.12.26 तक
11124 बरौनी - ग्वालियर	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ग्वालियर-	कानपुर सेंट्रल-इटावा-ग्वालियर-	19.11.26 से 28.12.26 तक
22129 लोकमान्य तिलक (ट.) -आयोध्या कैंट	ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-महोबा	ललितपुर-खजुराहो-महोबा	21.11.26 से 27.12.26 तक
22130 आयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	महोबा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ललितपुर-	महोबा-खजुराहो-ललितपुर-	23.11.26 से 28.12.26 तक
12944 कानपुर सेंट्रल-वलसाड	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-मानिकपुर-जबलपुर-इटारसी	20.11.26 से 25.12.26 तक

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2007/26(D)

एफएलएन प्रशिक्षण: बच्चों की मजबूत नींव, उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम

बीआरसी ऊरुवा में एफएलएन प्रशिक्षण का चौथा बैच शुरू, प्रशिक्षण के चौथे बैच में 100 शिक्षक ले रहे प्रशिक्षण

मेजा, प्रयागराज। बीआरसी उरुवा के सभागार में एफएलएन तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित भाषा एवं गणित विषय का पांच दिवसीय ष फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी ष प्रशिक्षण के चौथे बैच का शुभारंभ सोमवार 31 अगस्त 2026 को हुआ। प्रशिक्षण बीआरसी उरुवा के दो हॉल में 50 – 50 शिक्षकों के दो बैच में चल रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से,शिक्षकों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण के कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों में मजबूत शैक्षिक नीवं रखना है। ताकि ष बुनियाद शक्तिशाली तो शिक्षा सार्थक ष का संदेश साकार हो सके और देश के भविष्य को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

वहीं पूर्व एआरपी एवं प्रशिक्षण सन्दर्भदाता राजेश मिश्रा ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों को बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने में मदद करेगा और यह प्रशिक्षण एनसीआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को खेल–खेल में पढ़ने के तरीके से अवगत कराना है और समस्त शिक्षकों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे बच्चों तक पहुंचाने की अपील की। प्रशिक्षण में बुनियादी शिक्षा की महत्ता पर विशेष ध्यानाकर्षित किया जा रहा है। कक्षा तीन में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों के लागू होने के बाद ब्लॉक के बच्चों में भाषाई प्रवीणता, गणितीय दक्षता एवं अंग्रेजी भाषा में निपुणता प्राप्त करने में सहजता होगी। विशेषतः कक्षा 4 में किताबों में बदलाव,बच्चों के बदलते परिदृश्य के साथ–साथ सजक एवं प्रतियोगिता से जुड़ाव का महती उपयोग है।

वहीं एआरपी एवं प्रशिक्षण सन्दर्भदाता अजीत मिश्रा ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को भाषा और गणित की मजबूत नींव प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को खेल–खेल में, गतिविधि आधारित शिक्षण एवं रुचिकर शिक्षण पद्धतियों से जोड़कर ही शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाया जा सकता है। घ्गतिविधि आधारित शिक्षण, शिक्षकों को नई एनसीईआरटी/राज्य पाठ्यपुस्तकों और टीएलएम के उपयोग द्वारा शिक्षण को सहज बनाने की तकनीक बताई जाएगी। प्रशिक्षण सन्दर्भदाता जगदीश मिश्रा ने कहा कि निपुण लक्ष्य की प्राप्ति कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों को समझ के साथ पढ़ने और बुनियादी गणितीय गणनाओं में निपुण बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। शिक्षण–अधिगम सामग्री के प्रयोग और रचनात्मक मूल्यांकन के तरीकों पर संदर्भदाताओं द्वारा विस्तृत प्रकाश डाला जाएगा। चौथे बैच के प्रशिक्षण सत्र में एआरपी संदर्भदाता के रूप में पूर्व एआरपी राजेश मिश्रा, एआरपी रामानन्द शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला द्वारा उपस्थित शिक्षकों को निपुण भारत की रूपरेखा, बाल–केंद्रित शिक्षण पद्धतियों एवं वर्कबुक के सही के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। बीआरसी उरुवा में एफएलएन प्रशिक्षण क्वालटी कोऑर्डिनेटर पूजा यादव व कृष्ण कुमार शुक्ला की देखरेख में चल रही है। उक्त अवसर पर जयशंकर पांडेय, राजेश कुमार मिश्रा, संध्या मिश्रा, बृजेश कुमार सिंह, सुमनलता, स्तुति श्रीवास्तव, अनुराग द्विवेदी, प्रांजलि श्रीवास्तव, शालिनी अग्रवाल, अल्का शुक्ला, शिप्रा, राजेश्वरी सिंह, सरफराज हुसैन, ज्योति मिश्रा, अर्चना त्रिपाठी, प्रियल, कमलेश कोल, गुड़िया देवी, सुधा मिश्रा, अर्चना तिवारी, प्रदीप कुमार, निकिता सोनी, नीतू गौतम, शिप्रा त्रिपाठी, विपिन शुक्ला, मंजूश्री व आशीष रंजन आदि विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

3 सितंबर को लखनऊ में होगा विशाल स्वदेशी व्यापारी कुंभ

प्रयागराज से बड़ी संख्या में व्यापारी जत्थे और निजी वाहनों से होंगे रवाना

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के आह्वान पर आगामी 3 सितंबर को लखनऊ स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में विशाल स्वदेशी व्यापारी कुंभ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में देश के 9 राज्यों के साथ–साथ उत्तर प्रदेश के शत–प्रतिशत जिलों से बड़ी संख्या में व्यापारी एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारी शामिल होंगे प्रयागराज से भी अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल की अगुआई में बड़ी संख्या में व्यापारी कल सुबह जत्थे के रूप में तथा निजी वाहनों से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। इस जत्थे में महानगर एवं जिले के व्यापारियों के साथ–साथ गंगापार और यमुनापार क्षेत्र के व्यापारी भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री संदीप बंसल के आह्वान और कुशल नेतृत्व

में आयोजित इस व्यापारी कुंभ का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों के प्रति व्यापारियों और ग्राहकों का रुझान बढ़ाना, स्वदेशी उत्पादों के निर्माण एवं विक्रय को प्रोत्साहित करना तथा व्यापारियों को सरकारी योजनाओं एवं सहायता का लाभ दिलाना है। इसके साथ ही देश से निर्यात को बढ़ावा देने और विदेशी सामान के आयात को कम करने की दिशा में भी व्यापारी कुंभ में मंथन किया जाएगा।

महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने पिछले एक माह के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक भ्रमण कर व्यापारियों से संपर्क किया। इसी क्रम में 16 अगस्त को प्रयागराज के होटल ली लेजर में आयोजित कार्यक्रम में प्रयागराज एवं आसपास के 9 जिलों से बड़ी संख्या में व्यापारी तथा व्यापार मंडल के पदाधिकारी शामिल हुए थे। उस दौरान सभी ने लखनऊ में होने वाले स्वदेशी व्यापारी कुंभ को सफल बनाने का संकल्प लिया था।

अनिमेष अग्रवाल ने कहा कि प्रयागराज से व्यापारियों की बड़ी भागीदारी के साथ लखनऊ कूच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना देश के व्यापारियों, उद्योगों और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। व्यापारी कुंभ में देश के व्यापार एवं उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श के साथ भविष्य की रणनीति भी तय की जाएगी।

राहुल गांधी पर एफआईआर, विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शुद्धिकरण के मामले को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया। बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित जीपीओ गांधी प्रतिमा पर करीब 45 मिनट तक नारेबाजी और हंगामा किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की हुई। तनुज पुनिया ने कहा कि संविधान को ताक पर रखकर कार्रवाई हो रही है। राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर वापस होने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान तनुज पुनिया समेत कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने गलत एफआईआर वापस लो–भाजपा सरकार होश में आओ जैसे नारे लगाए। तनुज पुनिया ने कहा कि संविधान को ताक पर रखकर कार्रवाई हो रही है। किसी के खिलाफ भी कार्रवाई भावना के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान के अनुसार होनी चाहिए। हमारे नेता राहुल गांधी पर एफआईआर हुई है, कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने दलित अपमान का मुद्दा उठाया था और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। तनुज पुनिया ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उत्तराखंड में कार्यक्रम किया था। इसके बाद वहां भाजपा के लोगों ने शुद्धिकरण किया। इस मामले को उठाने पर राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। 22 दिनों से कांग्रेस कार्यकर्ता संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे के मामले में मुकदमा दर्ज नहीं हो रहा। उल्टा चोर कोतवाल को डांट रहा है। पूरे देश में कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क पर है। तनुज पुनिया ने कहा कि हमारी मांग है कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमा पहले वापस लिया जाए। उत्तराखंड में मल्लिकार्जुन खड़गे के विरोध में जिन लोगों ने शुद्धिकरण किया था, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो। कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी पुलिसकर्मी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

कोई व्यापारी घाटे का सौदा करेगा ?

जेपीएनआईसी को लेकर एलडीए की रिपोर्ट पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने दावा किया इसके संचालन से एलडीए को 555 करोड़ का नुकसान होगा।जिसपर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पलटवार किया है।उन्होंने कहा कि अगर इसके संचालन से नुकसान होगा तो कोई व्यापारी घाटे का सौदा क्यों करेगा।उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जेपीएनआईसी को लेकर दी गई एलडीए की रिपोर्ट पर सवाल उठाए। एलडीए को होने वाले नुकसान को लेकर भी घेरा और कहा मुख्यमंत्री जी हो या इसका संचालन करने वाला विभाग आखिर वो जेपीएनआईसी को बेचने पर इतनी सफाई क्यों दे रहे हैं क्या कोई गड़बड़ है?अखिलेश यादव ने लिखा–ये तो एलडीए ने सच ही कहा कि अगर जेपीएनआईसी भाजपा सरकार चलाएगी तो हजारों करोड़ का नुकसान होगा क्योंकि सारी कमाई ये कमीशनखोर भाजपाई और उनके भ्रष्ट अधिकारी खा जाएंगे।

नाम उसी का हैं सड़क

(छप्पय)

आँखों का पढ़ ख्वाब सुनहरे पल को जीतीं।
सड़के हैं खामोश मगर सपनों को ढोतीं।
पीकर सारी धूप चोट बारिश की सहकर।
पहुँचाती हर रोज सदा मंजिल पर हँसकर।
सबकी सुनकर भी कभी करे शिकायत जो नहीं।
 नाम उसी का है सड़क जाती हो चाहे कहीं।।

मेड़ डगर फुटपाथ सड़क या पगडंडी।
हैं सब यह पर्याय न कहना इन्हें घमंडी।
गाँव–शहर को जोड़ सुगम रस्ता यह गढ़के।
जाग रहे दिन–रात विकासी घोड़ा बनके।
नहीं किसी को ध्यान है बारिश से घायल बदन।
खामोशी से कर मदद रहती है हरदम मगन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हॉस्टल फीस बढ़ाने पर एलयू में छात्रों का धरना

लखनऊ (संवाददाता)। विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज हॉस्टल की फीस बढ़ोतरी को लेकर छात्रों ने मंगलवार को धरना दिया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बढ़ी फीस वापस लेने की मांग की गई। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने मनमाने तरीके से हॉस्टल फीस 7 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी है। ऐसे में छात्रों के पास विरोध और प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। धरने पर बैठे छात्रों की प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ नोकझोंक भी हुई। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल फीस अचानक बढ़ने से छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। छात्रों ने कहा कि फीस बढ़ाने से पहले उनसे कोई चर्चा नहीं की गई और मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ा दिया गया। छात्रों का कहना था कि हॉस्टल में रहने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स सामान्य परिवारों से आते हैं। ऐसे में फीस में करीब 4 गुना बढ़ोतरी उनके लिए परेशानी खड़ी करेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/41 | दिनांक: 28.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30262378	किट फॉर ब्रेक गियर बुशेज फॉर बी एम बी सी कोचेज	1856 सेट	15.09.2026
2	30261664	हैंगर फॉर बोल्स्टर स्प्रिंग सस्पेंशन	7298 नग	18.09.2026
3	90262034	डेसिफाइड रेज़िन इम्प्रेग्नेटेड कंप्रेस्ड प्लाईवुड	7392 नग	28.09.2026
4	38261884	प्लेटेड हेक्स नट विद टॉरक्स स्क्रू फॉर ए टी एल	91165 नग	05.10.2026
5	30262713	एक्सल बॉक्स पिवोट बुश	5396 नग	13.10.2026
6	38262619	नक्ल पिवोट पिन विद वाशर	17890 नग	15.10.2026
7	30261672	डबल एक्टिंग हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर	1924 नग	20.10.2026
8	30261014	पी ओ एच किट फॉर सी 3 डब्ल्यू डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व	1537 सेट	29.10.2026
9	38261324	स्लैक एडजस्टर टाइप आई आर एस पी-600 कम्पलीट	661 नग	05.11.2026
10	30262884	फ्लेक्स बॉल केबिल (एल-2197 एम एम)	92 नग	17.11.2026
11	382618709	एयर होज कपलिंग स्पोर्ट	41177 नग	14.10.2026
12	8226RGC InjAntihemophilicA	इंज. एंटीहीमोफिलिक फैक्टर VIII 500 आईयू	1110 नग	18.09.2026
13	60265003	इन्वर्टर बेस्ड मिग/मैग	22 नग	21.10.2026
14	60265028	हाइड्रोलिक रे-रेलिंग ईक्यूपमेंट विद आल असेसरीज़	1 सेट	15.10.2026
15	60255034A	कोइल स्प्रिंग स्क्रागिंग मशीन हाइड्रोलिक टाइप	1 नग	12.10.2026
16	60255036	रेल कम रोड शंटर (डीज़ल ऑपरेटेड)	1 नग	23.10.2026
17	6426RC01	रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर सप्लाई ऑफ फ्लासर मेक स्पेयर्स फॉर ट्रैक मशीन्स फॉर द ईयर्स 2026-2027 एवं 2027-2028	1 सेट	21.09.2026
18	80261067	लाइट डीज़ल ऑयल (एल डी ओ)	159863 लीटर	16.09.2026
19	20263449	सेट ऑफ हैम्पर (शॉक अब्जॉर्बर)	74 सेट	30.09.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2003/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सूबेदारगंज-यशवंतपुर विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी संख्या 04135/04136 सूबेदारगंज-यशवंतपुर विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04135 सूबेदारगंज-यशवंतपुर			गाड़ी सं. 04136 यशवंतपुर-सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(शुक्रवार)	21:20	सूबेदारगंज	04:30	(बुधवार)
22:38	22:40	शंकरगढ़	02:10	02:12
23:20	23:22	इर्भौरा	01:20	01:22
23:55	23:57	मानिकपुर	(बुध) 01:00	01:02
(शनि) 01:35	01:40	सतना	23:00	23:05
02:50	02:55	कटनी	21:55	22:00
04:10	04:20	जबलपुर	19:30	19:40
08:10	08:20	इटारसी जं.	15:25	15:35
12:40	12:45	नागपुर	09:15	09:25
17:20	17:25	बल्लारशाह	05:25	05:35
18:05	18:10	सिरपुर कागज नगर	03:35	03:37
18:34	18:36	बेल्लमपल्ली	02:55	02:57
19:05	19:07	मंचिर्याल	(मंगल) 01:50	01:52
21:00	21:05	काज़ीपेट जं.	22:45	22:50
(रवि) 01:30	01:40	सिकंदराबाद जं.	20:50	21:00
02:35	02:37	लिंगमपल्ली	19:45	19:47
03:15	04:37	विकाराबाद जं.	18:50	18:52
05:00	05:02	तांडूर	18:30	18:32
06:40	06:42	यादगिर	16:10	16:12
07:30	07:45	कृष्णा	15:20	15:25
08:10	08:12	रायचूर	14:48	14:50
10:20	10:30	गुंतकल	13:40	13:50
11:40	11:42	अनंतपुर	12:25	12:27
15:30	15:35	धर्मवरम जं.	11:25	11:30
16:38	16:40	हिंदूपुर	08:48	08:50
17:58	18:00	यलहंका जं.	07:33	07:35
21:30	(रविवार)	यशवंतपुर जं.	(सोमवार)	07:00

प्रयागराज से गाड़ी संख्या 04135, प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 11.09.2026 से 04.12.2026 तक, बैंगलुरु से गाड़ी संख्या 04136, प्रत्येक सोमवार दिनांक 14.09.2026 से 07.12.2026 तक

गाड़ी संरचना: स्लीपर श्रेणी - 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 02 एवं सामान्य श्रेणी - 06

नोट:- ट्रेन की समय सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या रेल Rail Madad MobileApp या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 2009/26(K)

सम्पादकीय.....

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति–नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता–पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार–बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेप्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां–बाप को माथापच्ची करके उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतरू जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

दुष्यन्त कुमारः अनाचार पर प्रहार करती कविता की आवाज़

आम आदमी की पीड़ा, व्यवस्था के विरुद्ध प्रतिरोध और बदलाव की आकांक्षा को ग़ज़ल की सहज भाषा देने वाले दुष्यन्त आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं – जयराम जय

"दुःख : किसी चिड़िया के अभी जन्मे बच्चे सा,
किन्तु सुख : तमंचे की गोली जैसा मुझको लगा है।"

दुःख और सुख की प्रकृति को इतने अप्रत्याशित और तीखे बिंबों में व्यक्त करने वाले दुष्यन्त कुमार हिन्दी कविता के ऐसे सशक्त हस्ताक्षर हैं, जिनकी रचनात्मक बेचैनी आज भी पाठक को भीतर तक उद्वेलित करती है। उन्होंने कविता को केवल भावाभिव्यक्ति या सौन्दर्य का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे अपने समय से मुठभेड़ करने का औजार बनाया। सामाजिक विषमता, राजनीतिक विसंगतियाँ, व्यवस्था का अनाचार, आम आदमी की पीड़ा और परिवर्तन की आकांक्षा उनके रचनात्मक संसार के प्रमुख सरोकार रहे।

दुष्यन्त कुमार का जन्म 1 सितम्बर 1933 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के राजपुर नवादा में हुआ था। उनका पूरा नाम दुष्यन्त कुमार त्यागी था। प्रारम्भिक शिक्षा के बाद उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इलाहाबाद का साहित्यिक वातावरण उनके रचनात्मक व्यक्तित्व के निर्माण में महत्त्वपूर्ण रहा। विद्यार्थी जीवन में ही कविता के प्रति उनका आकर्षण गहरा हो चुका था। वे मित्रों के साथ कवि–सम्मेलनों में जाते और अपनी रचनाओं का प्रभावी पाठ करते थे। आगे चलकर यही काव्य–संवेदना उनकी विशिष्ट पहचान बनी।

दुष्यन्त कुमार ने साहित्यिक जीवन की शुरुआत गीतों से की। बाद में वे नयी कविता की ओर उन्मुख हुए और फिर ग़ज़ल उनके काव्य–व्यक्तित्व का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन गई। उन्होंने कविता, ग़ज़ल, नाटक, उपन्यास और अन्य विधाओं में लेखन किया। सूर्य का स्वागत, आवाज़ों के घेरे, जलते हुए वन का वसन्त और एक कंठ विषपायी उनकी प्रमुख कृतियों में हैं। उनकी ग़ज़लों का संग्रह साये में धूप हिन्दी साहित्य में विशेष महत्त्व रखता है।

साये में धूप ने हिन्दी ग़ज़ल को एक नया तेवर दिया। इसमें प्रेम और रूमानियत के पार जाकर अपने समय की सामाजिक और राजनीतिक बेचैनी मुखर हुई। दुष्यन्त ने ग़ज़ल को आम आदमी के दुख–दर्द, असंतोष और आकांक्षाओं से जोड़ा। इसीलिए उनकी ग़ज़लें केवल साहित्यिक पाठ नहीं रहीं; वे जनसामान्य की जुबान का हिस्सा बन गईं।

दुष्यन्त की प्रसिद्ध पंक्तिकृ "एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो"कृनिष्क्रियता के विरुद्ध सक्रिय प्रतिरोध का आह्वान बन जाती है। "अब तो इस तालाब का पानी बदल दो" जैसी पंक्ति जड़ हो चुकी व्यवस्था में परिवर्तन की आकांक्षा को स्वर देती है। वहीं "हो गई है पीर पर्वत–सी, पिघलनी चाहिए" सामूहिक पीड़ा को परिवर्तन की बेचैनी में बदल देती है।

यही दुष्यन्त की सबसे बड़ी शक्ति है। वे केवल व्यवस्था की आलोचना नहीं करते, बल्कि पाठक के भीतर सवाल पैदा करते हैं। उनकी कविता असहमति को अपराध नहीं मानती। वह अन्याय के सामने खड़े होने का साहस देती है। उनके यहाँ प्रतिरोध के साथ आशा भी है और आक्रोश के भीतर मनुष्य के प्रति गहरी करुणा भी।

दुष्यन्त के काव्य में 'आम आदमी' कोई राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकताओं से जूझता हुआ मनुष्य है। भूख, अभाव, बेबसी, सामाजिक विषमता, राजनीतिक उपेक्षा और भविष्य की अनिश्चितता उसके जीवन का हिस्सा हैं। दुष्यन्त ने इसी मनुष्य की भाषा में उसकी पीड़ा को स्वर दिया। यही कारण है कि उनका पाठक उन्हें दूर खड़ा कोई कवि नहीं, बल्कि अपने बीच का आदमी महसूस करता है।

उनकी भाषा इस जनसरोकार को और प्रभावशाली बनाती है। उन्होंने हिन्दी और उर्दू के बीच कृत्रिम दीवार खड़ी करने से इनकार किया। उनकी ग़ज़लों में बोलचाल की सहज हिन्दी के साथ उर्दू–फ़ारसी के शब्द स्वाभाविक रूप से आते हैं। यह भाषा न तो अनावश्यक रूप से संस्कृतनिष्ठ है और न ही कृत्रिम उर्दूपरस्ती से बोझिल। वह वही भाषा है जिसे सामान्य भारतीय अपने दैनिक जीवन में बोलता–सुनता है।

दुष्यन्त की भाषा–दृष्टि को समझने के लिए उनका यह विचार महत्त्वपूर्ण है कि हिन्दी और उर्दू जब अपने–अपने औपचारिक सिंहासन से उतरकर आम आदमी के पास आती हैं तो उनके बीच भेद कर पाना कठिन हो जाता है। उन्होंने इसी सहज भाषिक धरातल पर अपनी ग़ज़लों को रचा। परिणाम यह हुआ कि उनकी रचनाएँ साहित्यिक अभिजात वर्ग से निकलकर व्यापक पाठक–समाज तक पहुँचीं।

दुष्यन्त की लोकप्रियता में उनके प्रभावशाली काव्यपाठ की भी बड़ी भूमिका थी। उनके व्यक्तित्व में सहजता, विनोदप्रियता और आत्मीयता थी। वे जिस महफ़िल में होते, वहाँ अपनी ऊर्जा और हँसमुख स्वभाव से वातावरण को जीवंत कर देते। साहित्यिक मित्रों के संस्मरणों में उनका यह मस्तमौला रूप बार–बार दिखाई देता है। लेकिन इस सहज व्यक्तित्व के भीतर अपने समय को लेकर गहरी बेचैनी भी थी। यही द्वंद्व उनके व्यक्तित्व और साहित्य दोनों को विशिष्ट बनाता है।

उनकी रचनाओं को प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं ने भी व्यापक मंच दिया। धर्मयुग, सारिका आदि पत्रिकाओं में उनकी रचनाओं के प्रकाशन ने उन्हें बड़े पाठक–वर्ग तक पहुँचाया। कवि–सम्मेलनों के मंच और साहित्यिक पत्रिकाओंकृदोनों ने मिलकर उनकी लोकप्रियता को व्यापक बनाया।

दुष्यन्त कुमार का महत्त्व केवल इस बात में नहीं है कि उन्होंने हिन्दी ग़ज़ल को लोकप्रिय बनाया। उनका वास्तविक महत्त्व इस बात में है कि उन्होंने ग़ज़ल की परम्परा को अपने समय की सामाजिक और राजनीतिक चेतना से जोड़ा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि ग़ज़ल में भी व्यवस्था से सवाल किए जा सकते हैं, जनजीवन की विडम्बनाओं को अभिव्यक्ति दी जा सकती है और सत्ता के सामने असहमति का स्वर बुलंद किया जा सकता है।

इसीलिए उनकी अनेक पंक्तियाँ आज भी सभा–समारोहों, साहित्यिक गोष्ठियों और सार्वजनिक विमर्शों में बार–बार उद्धृत होती हैं। उनकी प्रासंगिकता केवल अतीत की स्मृति नहीं है। जिन प्रश्नों से वे जूझ रहे थे, उनमें से अनेक प्रश्न आज भी हमारे सामने हैं। सामाजिक असमानता, व्यवस्था की जड़ता, आम आदमी की बेचैनी और परिवर्तन की आकांक्षाकृइन सबके बीच दुष्यन्त की कविता आज भी अपना अर्थ खोज लेती है।

दुष्यन्त की कविता में आक्रोश है, लेकिन वह निराशा में समाप्त नहीं होता। वहाँ प्रतिरोध है, पर प्रतिरोध के साथ उम्मीद भी है। वे पाठक को केवल यह नहीं बताते कि व्यवस्था में दोष हैं; वे उसके भीतर परिवर्तन की इच्छा भी जगाते हैं। यही कारण है कि उनकी कविता समय की सीमाओं को पार कर जाती है।

दुष्यन्त कुमार का जीवन बहुत लंबा नहीं रहा। 30 दिसम्बर 1975 को भोपाल में मात्र 42 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। अल्पायु में ही उन्होंने हिन्दी साहित्य को ऐसी रचनात्मक विरासत दी, जिसकी प्रासंगिकता समय के साथ कम नहीं हुई। उनकी कविता आज भी नए पाठकों को आकर्षित करती है और साहित्य के अध्येताओं को नए अर्थों की ओर ले जाती है।

दुष्यन्त को पढ़ना दरअसल अपने समय को पढ़ना है। उनकी कविता में हमें समाज की बेचैनी दिखाई देती है, व्यवस्था के प्रश्न दिखाई देते हैं और अपने भीतर सोई हुई प्रतिरोध की चेतना भी सुनाई देती है। उन्होंने कविता को महज शब्दों का सौन्दर्य नहीं रहने दिया; उसे जीवन की सच्चाइयों से जोड़ दिया। यही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आज उनके जन्मदिवस पर उन्हें याद करना केवल एक महान कवि को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उस रचनात्मक साहस को प्रणाम करना है जो अन्याय के सामने चुप रहने से इनकार करता है। दुष्यन्त कुमार की कविता हमें विश्वास दिलाती है कि शब्द यदि जीवन से जुड़े हों, तो वे समय की दीवारों को भेदकर पीढ़ियों तक पहुँच सकते हैं।

उनकी रचनात्मक आस्था को उनके मुक्तक की इन पंक्तियों में भी महसूस किया जा सकता हैक

"गीत गाकर चेतना को वर दिया मैंने,
आँसुओं से दर्द को आदर दिया मैंने।"

दुष्यन्त कुमार आज हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी कविता अब भी हमारे बीच बोलती है। जब तक समाज में सवाल जीवित हैं, जब तक अन्याय के विरुद्ध आवाज़ की जरूरत है और जब तक बेहतर व्यवस्था का सपना बचा हुआ है, तब तक दुष्यन्त कुमार की कविता भी प्रासंगिक बनी रहेगी।

दुष्यन्त कुमार की स्मृति को विनम्र नमन।

–जयराम जय
'पर्णिका' बी–11/1,कृष्ण विहार,आ.वि.,
कल्याणपुर, कानपुर –208017 (उ०प्र०)
Email: jairamjay2011@gmail.com
मो०नं०: 9415429104; 9369848238

लेखक–परिचयः
जयराम जय हिन्दी के कवि, गीतकार एवं साहित्यिक लेखक हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदना, समकालीन जीवन की विसंगतियाँ और जनजीवन की सहज अभिव्यक्ति प्रमुख रूप से दिखाई देती है। कविता, गीत, ग़ज़ल, समीक्षा और वैचारिक लेखन में निरंतर सक्रिय।

संवेदनाओं की श्मशान–भूमि

पालने के उस कोमल और स्निग्ध प्रांगण में,
जहाँ अभी केवल सपनों की मृदुल कोंपलें थीं,
वहाँ यह कैसा क्रूर और विध्वंसक अंधड़ उतर आया?
पाँच महीने की उस अबोध और निष्कलंक देह पर,
किस दानव ने अपने नखों के निशान छोड़ दिए?
वे कोई अंतरिक्ष के विद्रूप दानव नहीं,
वे इसी धरती की उर–कोख से उपजे पाषाण हैं।
वे हमारे ही टूटते हुए पारिवारिक निकुंजों और
संवेदनाओं से रिक्त होते समाज की सड़ी हुई दरारों से जन्मे हैं।
जहाँ प्रेम का क्षितिज मूक हो गया,
और संस्कारों की अमर ज्योति बुझ गई,
वहीं से ये विकृत साए बाहर निकल आए।
क्या इस महापाप के क्षण में उनकी आत्मा नहीं काँपी?
अरे! उनकी चेतना तो बहुत पहले ही मर चुकी होती है,
वह कोई प्राणवान मनुष्य नहीं,
बल्कि धधकते हुए अहंकार और वासना का एक जलता हुआ शव है।
इस विदीर्ण और शंकित युग की संध्या पर,
अब मौन रहने का कोई अधिकार नहीं बचा है।
यदि इस असीम कलंक को धोना है,
तो केवल नियमों की चौखट नहीं,
हमें अपने घरों की अन्तःरचना को फिर से पावन करना होगा।
अन्यथा, इस अंधी और बहरी दुनिया में,
हर पालना इसी तरह भय से सहमता रहेगा,
और मानवता अपनी ही लाचारी पर अश्रु बहाती रहेगी!

संगीता बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद (छत्तीसगढ़)
अध्यक्ष, समता प्रयागराज मंच

देशभक्ति के बाद अब हिन्दू होने का भी सर्टिफिकेट !

शकील अख्तर

राहुल की बातों और मोहन भागवत की बातों में यही फर्क है। राहुल जो कहते हैं करने के लिए और मोहन भागवत से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक जो कहते हैं वह सामने वाले को बेवकूफ बनाने के लिए। और सामने उनके अपने ही लोग होते हैं उन्हें ही मूर्ख बनाने की कोशिश करते हैं। समस्या यह है कि उनकी पूरी ट्रेनिंग ही नकारात्मक विचारों के बीच हुई है। यह मानकर कि कुछ भी कहा जा सकता है और किया उसका ठीक उल्टा भी जा सकता है। भागवत जी अमेरिका में हिन्दुओं पर ही सवाल उठा रहे हैं। उन्हीं हिन्दुओं पर जिनके लिए सौ साल पहले उनका संगठन बना था और आज भी वह नहीं कहता कि यह भारतीयों का संगठन है, वही कहता है कि हिन्दुओं का संगठन। वहां न्यूयार्क में वे कहते हैं कि जो हिन्दू यह समझता है कि मुस्लिम भारत में नहीं रह सकते वह हिन्दू नहीं है। वाह! हालांकि यह बयान बहुत विरोधाभासी है और संघ के लिए इस तरह की बातें करना कोई नई चीज नहीं है मगर फिर भी इसकी छुपी हुई परतें खोलना होगीं। क्योंकि भाजपा संघ इसके सहारे अपने को उदार बताने की कोशिश करेगा और गोदी मीडिया इसका ढोल पीटेगा। जो उसने शुरू कर दिया है। तो नंबर एक यह बयान राहुल के छात्र– युवा, महिला, दलित, ओबीसी के मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए दिया गया है। और अपने एवं भाजपा के प्रिय विषय हिन्दू–मुसलमान पर फिर से बहस को लाने के लिए। हिन्दू–मुसलमान ही इनकी प्राण वायु है। वह कम होते ही यह छटपटाने लगते हैं। राहुल ने देश की राजनीति से हिन्दू मुसलमान के सवाल को हटाकर शिक्षा, स्कूल, नौकरी, गरीबी, महंगाई जैसे असली सवालों को ला खड़ा किया है। इसकी कोई काट मोदी के पास नहीं है। इसलिए भागवत उनकी मदद के लिए आए हैं। और हिन्दू–मुसलमान को नए रंग में लाकर कोशिश कर रहे हैं कि देश में अजेंडा फिर इसी मुद्दे पर सेट हो जाए।

हिंदुओं और हिंदुत्व पर नयी चालाकी

देश में पिछले सौ सालों से हिंदू–मुसलमान का भेदभाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बढ़ाया। लेकिन अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका में कहा है कि श्अगर कोई हिंदू सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रहेगाश। भागवत ने कहा कि हिंदू होने का अर्थ है यह मानना कि सभी धर्म अंततरू एक ही परम सत्य या ईश्वर तक पहुंचने के अलग–अलग रास्ते हैं और हर इंसान समान सम्मान का अधिकारी है। इसके अलावा भागवत ने मानवता, विविधता में एकता और लोकतंत्र आदि पर भी उदार विचार पेश करने की कोशिश की। शायद संघ प्रमुख को खुशफहमी हो कि उन्होंने विवेकानंद की तरह कोई बड़ा संदेश दुनिया को दिया है। लेकिन देश की जो हकीकत है, उसके बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत की बातों पर दूसरों को छोड़िए, खुद कट्टर हिंदुत्व की बात करने वालों को भी यकीन नहीं आएगा। संघ की सोच को आगे बढ़ाने के लिए ही भाजपा जैसा राजनैतिक दल बना, जिसने मुसलमानों से नफरत का परिचय देते हुए बाबरी मस्जिद को तोड़ा। उसी जमीन पर राम मंदिर बनाने के लिए शिलान्यास भाजपा के नरेन्द्र मोदी ने किया और मंदिर का उद्घाटन भी उन्होंने भागवत की मौजूदगी में ही किया। अगर सभी धर्म आखिर में ईश्वर तक ही पहुंचाते हैं तो संघ ने कारसेवकों का जत्था बाबरी मस्जिद तोड़ने के लिए क्यों तैयार करवाया। देश में जहां जो भी धर्मस्थल बने हैं, उन्हें वैसे ही बने रहने देते। लेकिन संघ ने तो बाकायदा अयोध्या के बाद काशी–मथुरा की बारी आने का ऐलान किया। अभी भोजशाला में भी पूजापाठ शुरु हो गया है और नमाज पुलिस के पहरे में हो रही है। तो देश भर में ऐसे हजारों उदाहरण मिल जाएंगे, जहां संघ और उसके संगठनों ने हिंदुत्व के परचम को बुलंद करने के लिए गैरहिंदुओं और कमजोर तबकों को प्रताड़ित किया। इनमें न केवल अल्पसंख्यक शामिल हैं, बल्कि आदिवासी, दलित आदि भी सवर्ण हिंदुत्व की मानसिकता के शिकार बनाए गए हैं। मोदी शासनकाल में यह उत्पीड़न और बढ़ा है, जिसके हालिया शिकार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी हुए। उत्तराखंड में जिस मंच से उन्होंने भाषण दिया, उसका शुद्धिकरण हुआ और जब राहुल गांधी इसे छुआछूत का अपराध बताते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हैं, तो भाजपा नेता शुद्धिकरण को सही ठहराते हैं। आठ अगस्त को मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ यह अपराध हुआ था, आज तक उस पर तो नरेन्द्र मोदी या मोहन भागवत ने अफसोस नहीं जताया और अब मानवता का उपदेश दे रहे हैं। लेकिन इसमें भी एक चालाकी छिपी है। मोहन भागवत यह बता रहे हैं कि वह हिंदू नहीं है जो भारत में मुसलमान के रहने का हक नहीं मानता। असल में उन्हें कहना चाहिए था ऐसा इंसान देशभक्त नहीं है। क्योंकि मुसलमान या किसी भी धर्म के लोग भारत में रहें, भारत के नागरिक रहें, यह हक केवल और केवल संविधान दे सकता है। इसमें धर्म या जाति का कोई लेना–देना ही नहीं है। दरअसल यहां भागवत ने गोलवलकर और सावरकर जैसी चालाकी दिखाई है, उन्होंने एक ही देश के नागरिकों के लिए बराबरी के दर्जे की बात नहीं की। यही हिंदुत्व विचारधारा है, जो श्मुस्लिम–मुक्त भारतश की बात खुलकर नहीं करती, बल्कि ऐसे भारत की बात की करती है, जहां मुसलमान हिंदुओं की मर्जी से रह सकते हैं, और उन्हें बार–बार यह याद दिलाया जाता है कि वो दूसरे दर्जे के नागरिक हैं। यह बात समाज के बड़े तबके में अनायास ही पैठाई जा चुकी है। इसलिए कई बार फिल्मों या धारावाहिकों में मुसलमान सैनिक या पुलिस वाले की देशभक्ति अलग से चित्रित की जाती है, जबकि हिंदू किरदार के साथ ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाकी क्षेत्रों में भी यह भेदभाव नजर आ जाता है। मुसलमान से उसकी देशभक्ति का सर्टिफिकेट तरह–तरह से मांगा जाता है, हिंदुओं के साथ ऐसा नहीं होता, न ही बौद्ध, सिख या जैन अल्पसंख्यकों के साथ। इसलिए मोहन भागवत की बातों को बड़ी बारीकी से विश्लेषित करने की जरूरत है। क्योंकि उनका संगठन ही लगातार मुसलमानों के खिलाफ खुले भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा देता आया है। संघ की इस राजनीति की पोल खोलने पर भाजपा बेचौन हो जाती है और अपने राजनैतिक विरोधियों को नागरिकों के रूप में देखने के बजाय उन्हें अर्बन नक्सल, श्टुकड़े–टुकड़े गैंगश या राष्ट्रविरोधी ताकतों के रूप में पेश किया जाता है। यह खतरनाक खेल मोदी शुरु से करते आए हैं। इस बार उन्होंने एक नया शब्द इसमें जोड़ दिया श्दिमागी नक्सलश। बाकायदा लालकिले से मोदी ने इस शब्द को कहा और अपनी ट्रोल आर्मी को हरी झंडी दिखा दी कि अब उन्हें इसी शब्द को केंद्र में रखकर विरोधियों पर हमले करना है। अब तक भाजपा का आईटी सेल अमित मालवीय संभाल रहे थे, लेकिन 17 अगस्त को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने यह जिम्मेदारी दीपक म्हस्के को दे दी। अपनी काबिलियत साबित करने के लिए दीपक म्हस्के रोजाना नए–नए वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, लगभग सभी में दिमागी नक्सल शब्द केंद्र में होता है। मोदी विरोधी लोगों को दिमागी नक्सल बताकर उन पर बंदूकें चलाना, मारपीट करना और पूरी तरह सफाया करने जैसे वीडियो भाजपा आईटी सेल की तरफ से रोज आ रहे हैं। इन वीडियोज में फिल्मों और वेब सिरीज की जिन क्लिप्स का इस्तेमाल किया है, उनमें किसी में बड़े पैमाने पर गोलीबारी हो रही है, किसी में खलनायक बेरहमी से मारपीट करते दिख रहे हैं। साफ है कि भाजपा सभी आंदोलनकारियों और विरोधियों को दिमागी नक्सल के रूप में चिह्नित कर रही है और उनसे हिंसा से निपटने की बात कर रही है। इसके बाद ये समझना कठिन नहीं है कि जंतर–मंतर पर पैलेट गन किसने चलवाई इस सवाल का जवाब मोदी या शाह क्यों नहीं देते हैं।

रश्मिका मंदाना की एक्शन थ्रिलर फिल्म मैसा की रिलीज डेट का एलान, दुनियाभर में इस दिन देगी दस्तक

> इस बार भी फिल्म मैसा में दर्शक उनसे यही उम्मीद कर सकते हैं। इस फिल्म में वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। बता दें कि इसी फिल्म के सेट पर एक्शन और डांस सीक्वेंस फिल्माते समय बीते महीने रश्मिका मंदाना चोटिल हो गई थी

रश्मिका मंदाना की एक्शन थ्रिलर फिल्म मैसा की रिलीज डेट लॉक हो चुकी है। यह फिल्म इस साल नवंबर में रिलीज होगी। रश्मिका मंदाना फिल्म में जबर्दस्त इंटेंस अवतार में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। फिल्म मैसा 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मैसा को भारत की पहली फीमेल–लीड पैन–इंडिया फिल्मों में से एक बताया जा रहा है, जिसमें रश्मिका अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नजर आएंगी। मेकर्स की ओर से अब तक जारी हुए लुक पोस्टर्स में अभिनेत्री की झलक ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और इस फिल्म को लेकर माहौल बन चुका है। रश्मिका मंदाना शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर हैं और अक्सर किरदारों में पूरी तरह ढल जाती हैं। इस बार भी फिल्म श्मैसाश में दर्शक उनसे यही उम्मीद कर सकते हैं। इस फिल्म में वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। बता दें कि इसी फिल्म के सेट पर एक्शन और डांस सीक्वेंस फिल्माते समय बीते महीने रश्मिका मंदाना चोटिल हो गई थीं और कूल्हे में गंभीर चोट लगी। अभिनेत्री को सर्जरी करानी पड़ी। रश्मिका मंदाना ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने किरदार की एक इंटेंस झलक शेयर करते हुए रिलीज डेट का एलान किया है।

साथ में कैप्शन लिखा है, श्गुस्सा! दिल का दर्द, गम, हिम्मत, हौसला, वो ताकत और तूफान, जिसके आने की आपको उम्मीद भी नहीं होती। यही है मैसा। इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले ने किया है। वहीं, अनफॉर्मूला फिल्म्स के प्रोडक्शन के बैनर तले इसे प्रोड्यूस किया गया है। इस फिल्म की कहानी आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आध ारित है। रश्मिका मंदाना की बात करें तो कूल्हे की चोट और सर्जरी के बाद वे बीते एक माह से घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रही थीं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक का एलान किया है।

द लास्ट सैल्यूट' देखकर भावुक हो रहे एयरफोर्स अफसर, निर्देशक ने सुनाया किस्सा

बीते 26 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज हुई, नाम है द लास्ट सैल्यूट। इसकी कहानी देश के सबसे बुजुर्ग फाइटर जेट मिग 21 के 62 साल के कार्यकाल और रिटायरमेंट से जुड़ी हुई है। डाक्यूमेंट्री के निर्देशक कुशल श्रीवास्तव ने अमर उजाला से बातचीत में इससे जुड़े कुछ किस्से साझा किए। यह डॉक्यूमेंट्री मिग 21 पर है। हाल ही में मेरी एक सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' आई है, मैं उसका क्रिएटर हूं। वो कारगिल में एयरफोर्स की कहानी है जो मिग 21 फाइटर पायलेट्स के एक स्क्वाड्रन 'गोल्डन एरोज' के इर्द–गिर्द बुनी गई है। मुझे इसे बनाने में तीन से चार साल लगे। जब हम इसे शूट कर रहे थे तब पता चला कि मिग 21 अब आउट ऑफ सर्विस जा रहे हैं। इसके चलते हमें अपना शेड्यूल भी काफी चेंज करना पड़ा। इस पूरे प्रोसेस में हमने यह समझा कि 62 साल तक इस देश की वायुसेना को मिग 21 ने अपनी सेवा दी है। पूरी दुनिया में यह किसी भी एक जहाज का सबसे लंबा समय है। इसे रूस ने बनाया था पर वहां भी इसने इतने लंबे काल तक सेवा नहीं दी, जितना भारत में दी। जब हम शूट कर रहे थे तो देखते थे कि लोग इसे किसी इंसान की तरह सम्मान देते थे। वो इससे जुड़े हुए थे। इसकी सेवा समाप्त होने की खबर सुनकर दुखी थे, जैसे कोई बुजुर्ग उनसे विदा लेने वाला है। वो इसे लेकर काफी भावुक थे। तो उस वक्त मुझे ख्याल आया कि हम दुनिया के आखिरी मिग 21 के साथ शूट कर रहे हैं और जिनकी कहानी दिखा रहे हैं वो छह आखिरी पायलट थे जिन्होंने इसे उड़ाया। तब वहां से ख्याल आया कि इस पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहिए। हमने सीरीज के साथ ही इसे शूट किया। हम जब इसकी शूटिंग कर रहे थे तो बीच में मिग 21 में कुछ रोड़ा आ गया था और इसकी फ्लाइंग रोक दी गई थी। तब हमसे कहा गया था कि अब मिग 21 उड़ेंगे नहीं। दूसरी तरफ एयरफोर्स में एक नियम होता है कि कोई भी जहाज जब रिटायर होता है तो उसे आखिरी बार उड़ाकर विदा किया जाता है। रक्षामंत्री समेत कई अतिथि पहुंचते हैं और बड़ा कार्यक्रम होता है। तो हम बहुत परेशान हो गए। हम रोज रिक्वेस्ट करते थे कि प्लीज सर इसको ठीक करवा दो। वो कहते थे कि विदेश से इसके पार्ट्स आ रहे हैं, आप चिंता मत करो ये जरूर उड़ेगा। तो जब तक मिग 21 पूर तरह ठीक नहीं हो गया, हम इस कश्मकश में थे कि इस डॉक्यूमेंट्री को पूरा शूट कर पाएंगे या नहीं। मैं खुद एक्स एयरफोर्स हूं। मैंने छह साल एयरफोर्स में सेवा दी है। कारगिल के बाद मैंने जॉइन किया था। दिसंबर 1999 से लेकर 2006 तक मैंने एयरफोर्स में सेवा दी। वहां से फिर मैं मुंबई आया। निर्देशक जेपी दत्ता के साथ जुड़ा, उनको असिस्ट किया, तो मुझे बहुत पहले से ही वह एहसास मालूम था कि लोग मिग 21 से किस तरह जुड़े हुए हैं। नॉर्मल सिविलियन को नहीं समझ आएगा कि हमारे लिए मिग क्या है? हमें उसमें एक स्वैग, एक टशन नजर आता है। एक वक्त था जब 90 प्रतिशत पायलट मिग का प्रशिक्षण ले चुके थे। तो हमने फिल्म में उसके एक दौर को कवर किया है। फाइटर पायलट्स आज भी इस जहाज से बेइंतहा मोहब्बत करते हैं। एक दौर में इसके कई एक्सीडेंट की भी खबरें सामने आईं जिसकी बड़ी वजह यह थी कि उस दौर में 90 प्रतिशत पायलट इसे ही उड़ा रहे थे। मिग 21 जिसने 62 साल देश की सेवा की है, लगभग हर युद्ध में भाग लिया है। अभी भी एक एफ 16 को गिराया है, जो अभिनंदन ने गिराया था। (बता दें कि भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर (अब ग्रुप कैप्टन) अभिनंदन वर्धमान ने 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी वायुसेना के F–16 लड़ाकू विमान को मार गिराया था। उस दौरान वो मिग 21 ही चला रहे थे।) कुल मिलाकर यह एक ऐसा जश्न है, जिसमें लोगों की आंखें नम भी है। जब से यह डॉक्यूमेंट्री रिलीज हुई है, मुझे एयरफोर्स से जुड़े कई लोगों के कॉल आ रहे हैं। एक 82 वर्ष के पायलट, जिन्होंने सबसे ज्यादा मिग उड़ाया है, उनको कवर भी किया हमने अपनी डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने रात को 11:30 बजे कॉल किया। मुझसे कहा कि इस फिल्म को देखने के बाद उनकी पत्नी रो रही हैं। एयरफोर्स के पीआरओ का कॉल आया तो उन्होंने बताया कि इतने फोन तो मुझे तब नहीं आए जब ऑपरेशन सफेद सागर रिलीज हुई थी। कई लोग इस फिल्म को देखकर बहुत भावुक हुए हैं, क्योंकि इसका नाम ही है 'द लास्ट सैल्यूट' और टैग लाइन है– ए लव लेटर टू मिग 21। तो यह एक फाइटल पायलट का लव लेटर है, सारे एयरफोर्स के ऑफिसर्स का लव लेटर है और कहीं ना कहीं मेरा भी लव लेटर है क्योंकि मैंने जिस लास्ट स्क्वाड्रन में सर्व किया था, उसमें मिग 21 थे। हालांकि, मुझे इस प्लेन को उड़ाने का कभी मौका नहीं मिला क्योंकि मैं लॉजिस्टिक में था।

भगवान न करे कि मैं दुष्कर्म पीड़िता होती, स्वरा भास्कर ने पद्मावत की कहानी को लेकर फिर पूछे सवाल

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने 2017 में एक खुला खत लिखा था। यह खत निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत की रिलीज के समय लिखा गया था। हाल ही में उन्होंने इस खत का जिक्र किया है। उन्होंने इसमें फिल्म के क्लाइमेक्स में दिखाए गए चर्चित जौहर सीन का जिक्र करते हुए बताया है कि उनका इस पर क्या कहना था। भास्कर ने पहले भी जौहर सीन की आलोचना करते हुए कहा था कि यह समाज में यौन उत्पीड़न से बची महिलाओं के प्रति एक ऐसी सोच को दिखाता है, जो स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वह इस बात पर सोचती रहीं कि ऐसे समाज में, जहां पहले से ही दुष्कर्म की माहामारी फैली हुई है, दुष्कर्म पीड़िता के लिए ऐसी कहानी का क्या मतलब हो सकता है? स्वरा भास्कर ने फिल्म के एक खास शॉट पर आए अपने गुस्से को याद किया। उन्होंने कहा पत्र लिखने से पहले इस पर सोचने–समझने के लिए पांच दिन लिए। स्वरा ने कहा, मैं उन 800 महिलाओं की कहानी देख रही थी जो जौहर कर रही थीं। मैंने सोचा, भगवान न करे कि मैं दुष्कर्म पीड़िता होती। यह चीज मुझे क्या बता रही है? अगर मैं अपनी इज्जत बचाने के लिए आत्महत्या नहीं करती तो मुझे कायर महसूस होता। क्या आप हमारे जैसे समाज में यही चाहते हैं, जहां पहले से ही दुष्कर्म की महामारी फैली हुई है?

उन्होंने आगे कहा, श्क्या हम अपनी पीड़िता को यही बताना चाहते हैं कि आप जीने के लायक नहीं हैं? कि अगर आप सच में सम्मानजनक और बहादुर महिलाएं होतीं, तो आपने आत्महत्या कर ली होती? क्या हम यह कह रहे हैं कि दुष्कर्म का मतलब एक महिला की जिंदगी का अंत है? फिल्म में कई बातें ऐसी हैं, जो परेशान करने वाली हैं। फिर एक शॉट ऐसा था जिसने मुझे इतना गुस्सा दिलाया कि मैं दर्शकों के सामने जोर–जोर से श्छी–छीश कह रही थी। इसमें एक गर्भवती महिला के पेट का क्लोज–अप शॉट है। तो, आप यह कह रहे हैं कि जो भ्रूण शायद लड़की है, उसे पैदा होने का हक नहीं है क्योंकि हो सकता है कि किसी शासक द्वारा उसका रेप हो जाए? मुझे बहुत गुस्सा आया। मुझे लगा कि यह बहुत बुरा था। मलिक मुहम्मद जायसी की 1540 की महाकाव्य कविता पद्मावत पर आधारित इस पीरियड ड्रामा में दीपिका पादुकोण ने रानी पद्मावती, शाहिद कपूर ने महारावल रतन सिंह और रणवीर सिंह ने सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी की भूमिका निभाई थी। पर्सनल लाइफ की बात करें तो, स्वरा ने 6 जनवरी, 2023 को राजनेता फहाद अहमद से शादी की। स्वरा और फहाद ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी रजिस्टर करवाई। बाद में, 16 फरवरी 2023 को उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की। सितंबर 2023 में इस जोड़े के घर पहली संतान, बेटी राबिया का जन्म हुआ। स्वरा आखिरी बार पति, पत्नी और पंगा शो में नजर आई थीं और उनकी आखिरी फिल्म जहां चार यार (2022) थी।

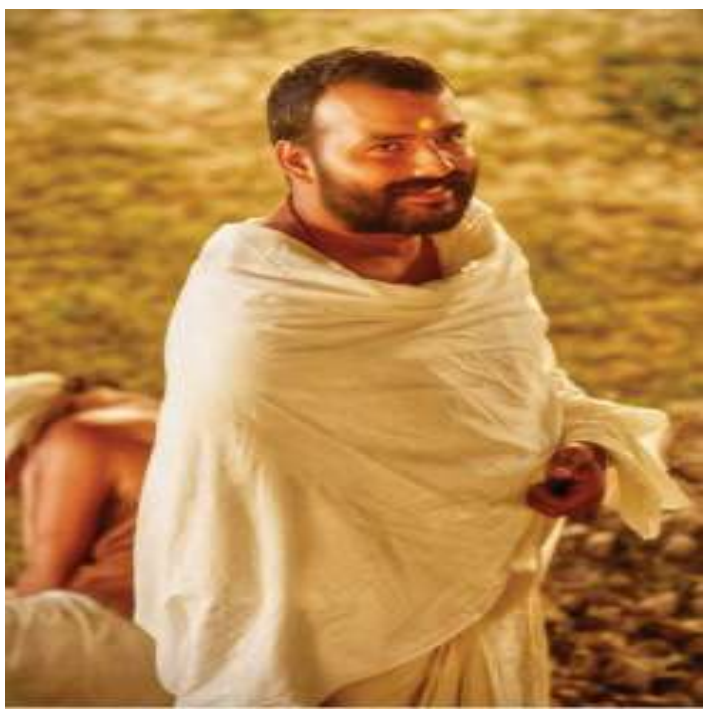

दो करोड़ की लागत में बनी फिल्म ने लगाया अर्धशतक, बाक्स आफिस पर हनुमान अंश बनी ब्लॉकबस्टर

फिल्म हनुमान अंश सात अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने बहुत धीमी शुरुआत की। पहले हफ्ते सुस्त शुरुआत करने के बाद दूसरे हफ्ते में यह बॉक्स ऑफिस की दौड़ से लगभग बाहर हो गई। फिर तीसरे और चौथे हफ्ते इसने अपने कलेक्शन से लोगों को चौंका दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म हनुमान अंश का बजट दो करोड़ रुपये है। इसका भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन अब 53.43 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि भारत में कुल नेट कलेक्शन 45. 28 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस तरह से फिल्म ने बजट का कई गुना ज्यादा कलेक्शन किया है। अब यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन चुकी है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म में महाराज जी के किरदार में अभिनेता शोभिनाव सत्या नजर आए हैं। उनके अलावा फिल्म में विहान शेज, चंदन के. आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल रस्तोगी, गुलशन पांडे, भगवानदास पटेल और राजीव मिश्रा समेत कई और कलाकार हैं। बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए कोई बड़ा प्रचार–प्रसार नहीं किया गया। खबरें हैं कि पारंपरिक प्रमोशन करने के बजाय मेकर्स ने कुछ अलग–अलग जगहों पर भंडारे करवाए और बाबा नीम करोली का मैसेज लोगों तक पहुंचाया। इससे माउथ पब्लिसिटी का माहौल बना और लोग यह फिल्म देखने के लिए प्रेरित हुए। देखते–देखते लोग सिनेमाघरों का रुख करने लगे। फिल्म हनुमान अंश ऐसे वक्त में रिलीज हुई जब बॉलीवुड की बंटवारा 1947 और आवारापन 2 जैसी फिल्में लगी थीं। वहीं, हॉलीवुड की स्पाइडर मैन 4 भी मजबूती से टिकी थी। बाद में पैन इंडिया फिल्म टॉक्सिक आ गई। मगर, हनुमान अंश ने हर चुनौती का सामना किया और बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमा दी। यह फिल्म इस बात की भी मिसाल है कि अगर कंटेंट अच्छा हो, तो फिल्मों को देखने लोग सिनेमाघरों तक आते हैं।

पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लेते हैं फिश स्पा, तो जरूर जान लें इसके साइड इफेक्ट

आज के समय में लोग खूबसूरत दिखने के लिए तमाम तरह के ब्यूटी और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। वहीं सुंदर दिखने के लिए लोग तमाम तरह की ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। परफेक्ट लुक पाने के लिए लोग ब्यूटी ट्रीटमेंट पर काफी रुपए खर्च कर देते हैं। पार्लर में फेशियल, वैक्सिंग से लेकर पेडिक्योर जैसे कई ब्यूटी ट्रीटमेंट कराई जाती है। आजकल के समय में फिश पेडिक्योर या फिश स्पा बहुत तेजी से पॉपुलर हो रहा है। मॉल से लेकर स्पा तक हर जगह फिश पेडिक्योर या फिश स्पा का ऑप्शन दिख जाएगा। हालांकि कई देशों में फिश स्पा को बैन कर दिया गया है। बता दें कि फिश पेडिक्योर एक मसाज है। इस मसाज को लेकर कहा जाता है कि यह आपको मानसिक रूप से सुकून देने का काम करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिश स्पा से आपको कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

फिश स्पा के नुकसान

लोग सुंदर दिखने और रिलैक्सेशन के लिए फिश स्पा का इस्तेमाल करते हैं। यह एक तरह का ब्यूटी ट्रीटमेंट है। पैरों की स्किन को खूबसूरत और सुंदर बनाने के लिए फिश स्पा का सहारा लेते हैं। इसके लिए आपको पानी से भरे टैंक में पैर डालकर बैठना होता है। उस टैंक में मछलियां मौजूद होती हैं। यह मछलियां आपके पैरों की डेड स्किन को खा जाती हैं। साथ ही इससे आपकी स्किन सॉफ्ट और एक्सफोलिएट करने का काम करती है। लेकिन कहा जाता है कि फिश स्पा से आपको कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। आि इस स्पा को कराने से कई स्किन संबंधी गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

इन बीमारियों का खतरा

फिश स्पा कराने से आपको एक्जिमा, सोरायसिस और एड्स जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा होता है। क्योंकि इन बीमारियों से संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद अगर मछलियां आपको काटती हैं, तो इसकी वजह से आपको भी इन गंभीर बीमारियों से संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है।

स्किन इन्फेक्शन

फिश स्पा लेने से स्किन इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। टैंक में मौजूद मछलियों के साथ तमाम तरह के बैक्टीरिया भी पाए जाते हैं। ऐसे में जब आप इन बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं तो आपको भी स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से अमेरिका से लेकर कनाडा तक दुनिया के कई देशों में फिश स्पा को बैन कर दिया गया है।

खराब हो सकती है स्किन टोन

फिश स्पा से आपकी स्किन टोन भी खराब हो सकती हैं। क्योंकि सही तरह से पेडिक्योर ना होने की वजह से आपकी स्किन रफ हो जाती है। जिसके कारण आपको स्किन बंपी और अनइवेन का खतरा हो सकता है।

खराब हो सकते हैं नाखून

फिश स्पा के द्वारा आपके अंगूठे और नाखूनों को भी नुकसान पहुंच सकता है। क्योंकि टैंक में मौजूद मछलियां कई बार आपके नाखूनों को बाइट कर लेती हैं। जिसके कारण आपके नाखून खराब हो सकते हैं। बता दें कि फिश स्पा और फिश पेडिक्योर को काफी ज्यादा अनहाइजेनिक माना जाता है। वहीं टैंक के पानी की साफ–सफाई ना होने पर भी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फिश स्पा के दौरान अगर आपके अपने पैरों में दर्द या तनाव होने लगे, तो ऐसे में फौरन अपने पैरों को टैंक से बाहर निकाल लेना चाहिए।

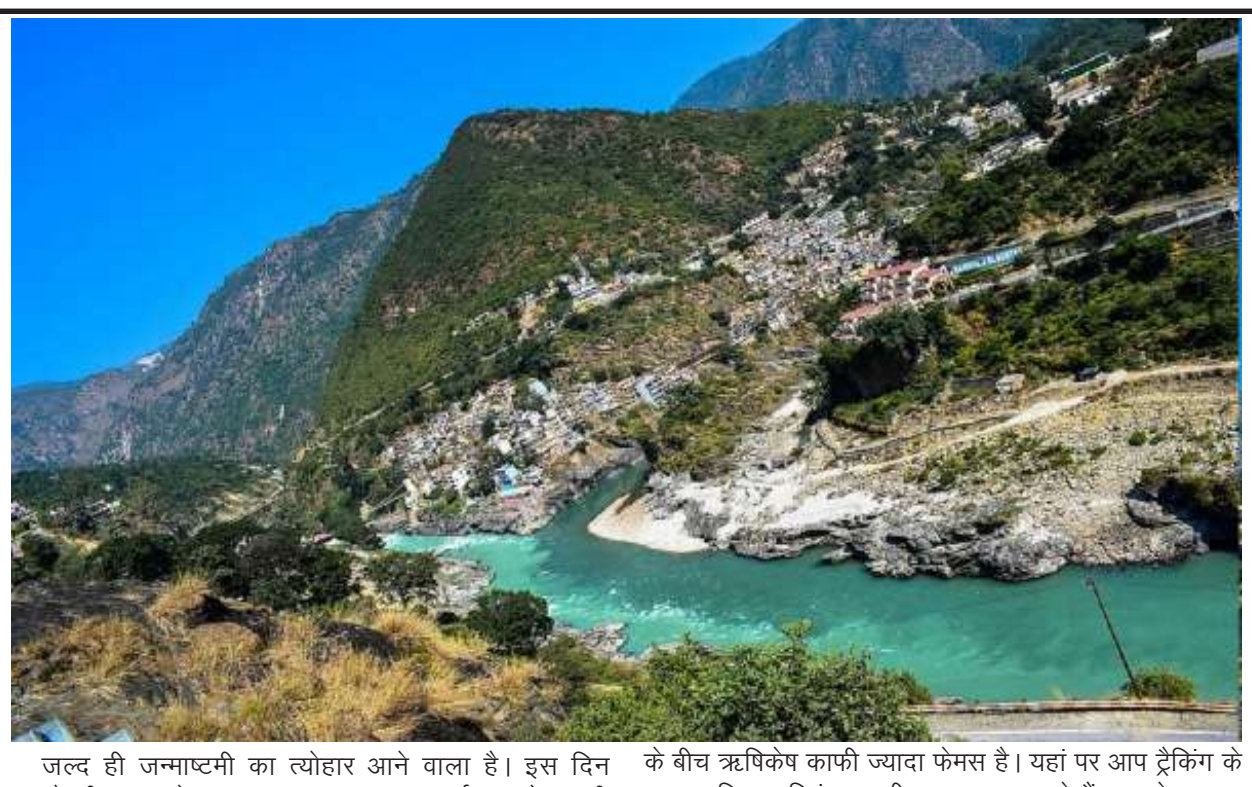

जन्माष्टमी पर वृंदावन के आसपास इन हिल स्टेशनों को करें एक्सप्लोर, खुशनुमा होगा आपका ट्रिप

जल्द ही जन्माष्टमी का त्योहार आने वाला है। इस दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान कृष्ण का दर्शन करने उनकी नगरी वृंदावन पहुंचते हैं। जन्माष्टमी के खास मौके पर भगवान श्रीकृष्ण की नगरी को बेहद खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है। सुबह से ही वृंदावन की गलियों में भक्तों की भीड़ पहुंचने लगती है। कुछ लोग तो जन्माष्टमी से पहले ही वृंदावन पहुंच जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी जन्माष्टमी के मौके पर भगवान श्रीकृष्ण की नगरी वृंदावन जाना चाहते हैं। तो वृंदावन के आसपास मौजूद इन शानदार हिल स्टेशन को परिवार, दोस्त और पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

ऋषिकेश हिल स्टेशन

विश्व भर में योग नगरी के नाम से फेमस ऋषिकेश एक ऐसा हिल स्टेशन है। ऋषिकेश धार्मिक स्थल होने के साथ ही एक मनमोहक हिल स्टेशन भी है। ऋषिकेष में आपको न सिर्फ देशी बल्कि विदेशी सैलानी भी घूमते हुए मिलेंगे। यहां पर आपको हसीन नजारे, गंगा नदी, छोटे–बड़े पहाड़ और प्राचीन मंदिर इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। एडवेंचर शौकीन पर्यटकों के बीच ऋषिकेष काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर आप ट्रैकिंग के अलावा रिवर राफ्टिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप त्रिवेणी घाट, वशिष्ठ गुफा, लक्ष्मण झूला और नीलकंड महादेव मंदिर आदि भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दूरी– वृंदावन से ऋषिकेश की दूरी करीब 361 किमी है।

विकास नगर

अगर आप भी वृंदावन के आसपास किसी बेहतरीन और शांत हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं। तो ऐसे में विकास नगर आपके लिए बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। उत्तराखंड की हसीन वादियों के बीच स्थित विकास नगर खूबसूरत और मनमोहक नजारों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। विकास नगर में आपको झील–झरने, देवदार के पेड़ और ऊंचे–ऊंचे पहाड़ इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। यहां पर आप अशोक रॉक, शनि धाम, आसन बैराज और झंजंचंजजीत वाटर पार्क जैसी बेहतरीन जगहों को देख सकते हैं। यहां पर आप फोटोग्राफी का भी आनंद उठा सकते हैं।

दूरी–वृंदावन से विकास नगर की दूरी करीब 398 किमी है।

मसूरी हिल स्टेशन

वृंदावन से आसपास स्थित किसी हसीन और सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन की बात की जाए तो उसमें मसूरी का नाम भी शामिल है। पहाड़ों की रानी के नाम से फेमस मसूरी अपने हसीन और मनमोहक दृश्यों के लिए पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। बादलों से ढके पहाड़, बड़े–बड़े पहाड़, झील–झरने और देवदार के पेड़ मसूरी की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर, दोस्तों व परिवार के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। मसूरी में आप फोटोग्राफी और ट्रेकिंग का आनंद भी उठा सकते हैं। मसूरी में आप लाल टिब्बा, गन हिल प्वाइंट, कंपनी गार्डन, केम्प्टी फॉल्स और ज्वालाजी मंदिर जैसी बेहतरीन जगहों पर घूम सकते हैं।

दूरी– वृंदावन से मसूरी की दूरी करीब 412 किमी है।

रानीखेत

वैसे तो आप नैनीताल कई बार जा चुके होंगे, लेकिम वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के बाद आप रानी खेत के हसीन वादियों का आनंद ले सकते हैं। शांत वातावरण के साथ–साथ हसीन दृश्यों के लिए काफी फेमस रानीखेत पर्यटकों के लिए परफेक्ट जगह है। यहां पर आपको झील, घास के मैदान और खूबसूरत पहाड़ इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। रानी खेत में आप चौबटिया बाग और झूला देवी मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रेकिंग का भी लुत्फ उठाना ना भूलें।

दूरी–वृंदावन से मसूरी की दूरी करीब 473 किमी है।

एवोकाडो हेयर मास्क बालों को बनाएगा सिल्की और मजबूत, बालों में आएगी नई जान

हमारे शरीर के लिए एवोकाडो काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि यह बालों के लिए भी लाभकारी होता है। एवोकाडो में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन ए, बी, सी, डी, जिंक, आयरन, पोटेशियम और बीटा–कैरोटिन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। एवोकाडो बालों को पोषण देने के साथ ही बालों की ड्राईनेस को दूर करने में मदद करता है। एवोकाडो हेयर फॉल को रोकता है और बालों को ग्रोथ देता है। इसे बालों में अप्लाई करने से बाल सिल्की और शाइनी बनते हैं। बता दें कि मार्केट में कई तरह के एवोकाडो हेयर मास्क मिलते हैं। लेकिन कई बार बालों को इस तरह के हेयर मास्क सूट नहीं करते हैं। वहीं इनको इस्तेमाल करने पर मन मुताबिक रिजल्ट नहीं मिलता है। ऐसे में आप घर पर ही एवोकाडो हेयर मास्क को बनाकर बालों में अप्लाई कर सकते हैं। घर पर यह मास्क बनाने से नेचुरल रहेगा, तो बाल संबंधी कई समस्याओं को भी दूर करता है। एवोकाडो का यह मास्क बालों को अंदरूनी तौर पर पोषण देने के साथ ही ड्राई बालों की समस्या से भी निजात दिलाएगा। आइए जानते हैं कि ड्राई बालों के लिए एवोकाडो हेयर मास्क कैसे बनाएं।

एवोकाडो और नारियल तेल के हेयर मास्क की सामग्री

पका हुआ एवोकाडो– 1

नारियल तेल– 2 चम्मच

ऐसे बनाएं हेयर मास्क

हेयर मास्क बनाने के लिए एवोकाडो और नारियल तेल का सभी चीजों को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। इसे बालों और स्कैल्प पर करीब 20 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर बालों को शैंपू से धो लें। बता दें कि बालों को पोषण देने के साथ यह मास्क हेयर फॉल की समस्या को भी कम करता है। बालों पर यह मास्क एक लेयर बनाता है और सूर्य की हानिकारक किरणों से भी बालों का बचाव होता है।

एवोकाडो और शहद का हेयर मास्क की सामग्री

पका हुए एवोकाडो– 1 चम्मच

शहद– 1 चम्मच

ऑलिव ऑयल– 1 चम्मच

ऐसे बनाएं हेयर मास्क

एवोकाडो और शहद का हेयर मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में इन सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को हल्के हाथों से बालों और स्कैल्प पर अप्लाई करें। 20 मिनट तक लगाए रखने के बाद माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश कर लें। यह मास्क आपके बालों को डैमेज होने से बचाता है और ड्राई बालों की समस्या से निजात दिलाता है।

एवोकाडो और एलोवेरा का हेयर मास्क की सामग्री

पका हुए एवोकाडो– 1

एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

ऐसे बनाएं हेयर मास्क

एवोकाडो और एलोवेरा जेल को एक कटोरी में अच्छे से मिक्स कर लें। फिर बालों की टिप और स्कैल्प पर करीब 20 मिनट के लिए अप्लाई करें। इसके बाद शैंपू कर लें। यह हेयर मास्क आपके बालों को पोषण देने के साथ चमकदार बनाएगा।

पर्यटकों को आकर्षित करती हैं दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारक और लजीज व्यंजन

भारत की राजधानी दिल्ली, उत्तर भारत में स्थित एक शानदार शहर है जो अपनी ऐतिहासिक महत्वपूर्णता, सांस्कृतिक धरोहर और विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर्यटन स्थलों का अद्वितीय संगम है जो आपको भारतीय संस्कृति और इतिहास की गहराईयों में ले जाता है। यहाँ की विविधता, धरोहर और खानपान का संगम आपके पर्यटन अनुभव को एक यादगार बना देगा। इस पर्यटन स्थल का आनंद लें और दिल्ली की खासियत को महसूस करें।

पुरानी दिल्ली का ऐतिहासिक महत्व

पुरानी दिल्ली दुनिया भर में अपने ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है। लाल किला, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय के महत्वपूर्ण संदर्भों के लिए जाना जाता है, यहाँ के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। जामा मस्जिद भी दर्शनीय है, जो मुग़ल साम्राज्य के दौरान बनाई गई थी। इसके अलावा पुरानी दिल्ली के बाजार और खानपान की मशहूर दुकानों वाली गलियां भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

राष्ट्रीय संग्रहालयः सांस्कृतिक धरोहर का खजाना

दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में आपको भारतीय सभ्यता की विविधता का अद्वितीय प्रस्तुतिकरण मिलेगा। यहाँ आपको चित्रकला, मूर्तिकला, वस्त्रकला और शिल्पकला की श्रेष्ठता का पता चलेगा, जिससे आपको भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धि का अनुभव होगा।

खानपान का स्वादः दिल्ली की मिठास और विविधता

दिल्ली की गलियों में घूमकर आपको लजीज व्यंजनों का अद्वितीय अनुभव होगा। यहाँ आपको स्थानीय के अलावा राजस्थानी, पंजाबी, मुग़लई और दक्षिण भारतीय व्यंजनों का आनंद लेने का मौका मिलेगा। इसके अलावा अनुमति मिलने पर आप राष्ट्रपति भवन और संसद भवन भी देख सकते हैं। साथ ही कर्तव्य पथ, इंडिया गेट, प्रधानमंत्री संग्रहालय, संसद संग्रहालय आदि के अलावा भी दिल्ली में काफी दर्शनीय स्थल हैं। दिल्ली में करोल बाग, सरोजिनी नगर, लाजपत नगर आदि बाजार भी आपको नया ही अनुभव कराएंगे।

संक्षिप्त

पार्ले बिस्किट ने जॉर्ज कोवूर को सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली,एजेंसी। पारले बिस्किट के प्रबंध निदेशक अजय चौहान ने कहा, ष्हम कोवूर का स्वागत करते हैं और पारले की मजबूत नींव पर आगे बढ़ने, अपनी क्षमताओं को मजबूत करने और सतत विकास के लिए नए अवसर खोलने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी को विकास के अगले चरण में उनके नेतृत्व और योगदान की उम्मीद है। टाटा स्टील ने अपने पहले चेयरमैन सर दोराबजी टाटा की 167वीं जयंती पर जमशेदपुर में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और टाटा वर्कर्स यूनियन के प्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश के लिए किए गए उनके अतुलनीय कार्यों को याद किया। दोराबजी टाटा ने न केवल अपने पिता जमशेदजी नुसरवानजी टाटा के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए 1907 में देश के पहले स्टील प्लांट की स्थापना की, बल्कि भारत के खेल जगत को भी एक मजबूत पहचान दी। उन्होंने साल 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में भारतीय दल की भागीदारी के लिए व्यक्तिगत रूप से फंडिंग की थी और वे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के शुरुआती सात वर्षों तक अध्यक्ष भी रहे। आज जब भारत साल 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, तो देश उनके द्वारा रोपे गए खेल संस्कृति के इस बीज को बड़े गर्व और सम्मान के साथ याद कर रहा है।

अगस्त में 2 लाख करोड़ के पार पहुंचा जीएसटी कलेक्शन, यूपीआई लेनदेन में बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। त्योहारों के मौसम की शुरुआत और मजबूत घरेलू मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था ने अगस्त 2026 में दृढ़ता दिखाई है। देश के आर्थिक स्वास्थ्य को दर्शाने वाले दो सबसे बड़े संकेतकों– जीएसटी संग्रह और डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूपीआई लेनदेन– में इस महीने मजबूत उछाल दर्ज किया गया। जहां अगस्त में सकल जीएसटी संग्रह बढ़कर करीब दो लाख करोड़ रुपये की ऊंचाई पर पहुंच गया, वहीं यूपीआई के जरिए होने वाले डिजिटल भुगतानों ने वॉल्यूम (संख्या) के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में घरेलू खपत और व्यापारिक गतिविधियां चरम पर हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर लगभग दो लाख करोड़ रुपये (1,99,853 करोड़ रुपये) रहा। इस दौरान घरेलू लेनदेन से होने वाला जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि आयात से होने वाला राजस्व 29 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ 62,604 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 38,413 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 46,316 करोड़ रुपये रहा। रिफंड के तौर पर 31,795 करोड़ रुपये जारी किए गए, जो पिछले साल से 68 प्रतिशत अधिक है। रिफंड घटाने के बाद नेट जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 1.68 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सर्वाधिक जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2026 का है। उस महीने इस मद में करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये का संग्रह किया गया था। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में यूपीआई लेनदेन संख्या (वॉल्यूम) के लिहाज से 24.51 बिलियन (2451 करोड़) के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मूल्य (वैल्यू) के मामले में, अगस्त में कुल 29.82 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ, जो इसके मई और जुलाई 2026 के 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड के बेहद करीब है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में, अगस्त में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 20 प्रतिशत (24.85 लाख करोड़ रुपये से) और वॉल्यूम 22 प्रतिशत (19.63 अरब से) बढ़ा है। अगस्त के महीने में डिजिटल लेनदेन में आई इस तेजी का मुख्य कारण रक्षाबंधन जैसे त्योहार रहे। त्योहारों के चलते रोजमर्रा के लेनदेन (पीटूपी) और छोटे उपहारों के लिए यूपीआई का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। पिछले एक दशक में यूपीआई ने देश का डिजिटल परिदृश्य बदल दिया हैय वित्त वर्ष 2017 में इसका लेनदेन मूल्य मात्र 0.07 लाख करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2026 में 4,000 गुना से अधिक बढ़कर लगभग 314 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीयों की पसंदीदा भुगतान प्रणाली यूपीआई अब दुनिया भर के 11 देशों में स्वीकार की जा रही है। उज्बेकिस्तान इस सूची में शामिल होने वाला नवीनतम देश बन गया है। उज्बेकिस्तान के अलावा सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका, कंबोडिया और ग्रीस जैसे देशों में यूपीआई के जरिए वास्तविक समय में भुगतान किया जा सकता है। अगस्त के ये शानदार आर्थिक आंकड़े इस बात का पुख्ता प्रमाण हैं कि भारतीय बाजार में मांग बेहद मजबूत बनी हुई है। दो लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह और करीब 29.82 लाख करोड़ रुपये का मासिक यूपीआई लेनदेन न केवल कर अनुपालन में सुधार को प्रदर्शित करता है बल्कि देश के हर वर्ग में डिजिटल क्रांति के गहरे प्रभाव को भी उजागर करता है। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए यह उम्मीद की जा सकती है कि अर्थव्यवस्था की यह तेज रफ्तार आने वाले महीनों में भी इसी तरह बनी रहेगी।

आयकर रिटर्न दाखिल करने में नया कीर्तिमान, विभाग ने बताया- 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर जमा

नई दिल्ली,एजेंसी। आकलन वर्ष 2026–27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित हुआ है। 31 अगस्त 2026 तक कुल 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर सफलतापूर्वक जमा किए गए हैं। आयकर विभाग ने मंगलवार को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी दी। यह आंकड़ा देश में कर अनुपालन की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। विभाग ने अपनी आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से इस रिकॉर्ड की घोषणा की। यह संख्या पिछले आकलन वर्ष 2025–26 की तुलना में काफी अधिक है। पिछले साल 7.3 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न 16 सितंबर 2025 तक दाखिल हुए थे। वह गैर–लेखापरीक्षित मामलों के लिए विस्तारित अंतिम तिथि थी। इस वर्ष की निर्धारित अंतिम तिथि तक ही यह रिकॉर्ड संख्या हासिल कर ली गई है। इस उपलब्धि से कर संग्रह में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह करदाताओं की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है। इस विशाल संख्या में 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर–1 और आईटीआर–2 भी शामिल हैं। इन प्रपत्रों को 31 जुलाई की निर्धारित अंतिम तिथि तक दाखिल किया गया था।

दानिश कनेरिया ने अपने खिलाड़ियों को लताड़ा, कोच सरफराज पर भी साधा निशाना

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से अपने खराब प्रदर्शन की वजह से चर्चा में है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में है। शुरुआती दो टेस्ट गंवाकर पाकिस्तान सीरीज में 2–0 से पीछे है। सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान टीम और मैनेजमेंट फिर से सवालों घेरे में है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स अपनी टीम और मैनेजमेंट पर नर्मी बरतने के मूड में नहीं हैं। टीम के दो पूर्व खिलाड़ी दानिश कनेरिया और मोहम्मद यूसुफ ने जमकर निशाना साधा है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर कनेरिया का कहना है कि पिछले 70 साल में उन्होंने पाकिस्तान टीम की ऐसी दुर्दशा नहीं देखी। आईएएनएस से खास बातचीत में दानिश कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कप्तानी, टीम चयन, चयनकर्ताओं और प्रबंधन से जुड़े अन्य विषयों पर बात की और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मौजूदा स्थिति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, पिछले 70 साल में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति सबसे खराब है। हारना बुरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तान टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा कोई संघर्ष या फिर जूझने की क्षमता दिखाई नहीं पड़ती। यह सबसे बुरी स्थिति है। कनेरिया ने कहा, श्पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। खिलाड़ी हों या चयनकर्ता किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। टीम बिना किसी रणनीति के चल रही है। पहले बाबर आजम कप्तान थे। उन्हें हटाया गया और फिर से उन्हें कप्तान बना दिया गया है। सरफराज अहमद को टेस्ट का कोच बनाया गया था। उन्हें भी अब हटा रहे हैं। किसी को भी जिम्मेदारी दी जाती है, तो उन्हें पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। अब क्या बाबर को कप्तानी से हटाकर फिर से शान मसूद को कप्तान बनाएंगे। कनेरिया ने कहा, श्मुझे सूचना मिली थी कि यूनिस खान को मुख्य चयनकर्ता बनाया जा सकता है। यह खबर सुनकर मुझे खुशी हुई थी। यूनिस अपनी मेहनत की बदौलत इतने उपर आए हैं और पाकिस्तान टीम के लिए बहुत कुछ किया है। उनमें एक बेहतरीन टीम बनाने की क्षमता है। लेकिन, उनकी शर्तों को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना और वे चयनकर्ता नहीं बने। फिलहाल जो लोग हैं उन्होंने टीम की स्थिति खराब कर दी है। आप टेस्ट क्रिकेट खेलने इंग्लैंड जा रहे हैं और आपके पास 120 की गति से गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज

है, जबकि वहां की स्थिति के हिसाब से 140 से 150 की गति वाला गेंदबाज चाहिए। आपके स्पिनर भी नहीं है। टेस्ट मैच गेंदबाज जिताता है, टीम में ढंग के गेंदबाज ही नहीं हैं।

कनेरिया ने कहा, श्मोहम्मद अब्बास इंग्लैंड में काउंटी खेलता है और अच्छी गेंदबाजी करता है। आप उसे टीम में लाते हैं और फिर बाहर कर देते हैं। साजिद खान अच्छा प्रदर्शन करता है आप उसे बाहर कर देते हैं। टीम में शामिल गेंदबाज साधारण हैं। उनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी का कौशल नहीं है। कनेरिया ने कहा, बल्लेबाजी का भी वही हाल है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को समझ ही नहीं आ रहा कि बल्लेबाजी कैसे करनी है। आर्चर पर जैसे बाबर आउट हुआ, वो हास्यास्पद था। निचले क्रम के बल्लेबाज इस तरह आउट होते हैं। बाबर गेंद के सामने ही नहीं आ सका। रिजवान को टीम में क्यों रखा, यह समझ से परे है। रिजवान की बल्लेबाजी और कीपिंग दोनों साधारण है। चयनकर्ताओं पर तंज कसते हुए कनेरिया ने कहा, मैंने सुना है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान टीम में सात बदलाव हुए हैं। इन खिलाड़ियों को पहले क्यों नहीं ले जाया गया। इन्हें पता ही नहीं की कौन सी टीम खिलानी है। पाकिस्तान टीम पहले अपने तेज गेंदबाजों के लिए जानी जाती थी। अब ऐसा कुछ भी नहीं है। हमारे पास अच्छे स्पिनर भी होते थे। अब हमारे पास न अच्छे बल्लेबाज हैं, न तेज गेंदबाज और न ही स्पिनर। मैं तो यह सोच रहा हूं कि ये खेल ही क्यों रहे हैं? उन्होंने कहा, मैं बांग्लादेश टीम की प्रशंसा करना चाहता हूं। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट जरूर हारे, लेकिन पहला टेस्ट उन्होंने बेहतरीन अंदाज में जीता। उनके पास 140 से उपर की गति से गेंदबाजी वाले गेंदबाज हैं। हमारे पास कुछ भी नहीं है। बांग्लादेश के पास बेहतरीन कोचिंग टीम है, जिसका परिणाम हमें देखने को मिल रहा है। हमें भी बाहर से बेहतर कोच लाना होगा। बाहर को कोच यहां भी आते हैं, लेकिन वे अपने काम में यहां के लोगों का हस्तक्षेप पसंद नहीं करते, वो यहां के लोगों को बुरा लगता है। कनेरिया ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट का दुनियाभर में मजाक बन रहा है। फैन मैच देखना छोड़ रहे हैं। फैन ही जब मैच नहीं देखेंगे तो ब्रॉडकास्टर भी मैच दिखाने के इच्छुक नहीं होंगे। इंग्लैंड में हमारी टीम को काउंटी टीम से भी नीचे स्तर का आंका जा रहा है। इससे बुरा क्या होगा। हमें लोगों से सवाल पूछना होगा। सबकी जिम्मेदारी तय करनी होगी। प्रशासन में, चयनकर्ता के रूप में और कोचिंग में ऐसे लोगों को लाना होगा, जो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मौका दें न कि नाते–रिश्तेदारों की टीम बनाएं। आकिब जावेद पहले क्रिकेट निदेशक बने, फिर चयनकर्ता बने, फिर न जाने क्या–क्या बने। इन्हें ओहदे मिलते जा रहे हैं, लेकिन क्रिकेट कहां जा रहा है। हमारे पास अच्छा क्रिकेट ही नहीं है। पूर्व स्पिनर ने कहा, हमलोग भी अपने जमाने में हारते थे, लेकिन लड़कर हारते थे। आप कम से कम लड़ो तो। यहां तो कोशिश भी नहीं है। तु चल में आया वाली स्थिति है। पैसे मिल रहे हैं सबको। पाकिस्तान क्रिकेट में गिरावट यहां कि घरेलू क्रिकेट की संरचना में बदलाव की वजह से ही हुई है। पहले एसोसिएशन के बीच कायदे आजम ट्रॉफी होती थी, फिर पैट्रन ट्रॉफी होती थी जिसमें विभाग खेलते थे। इसी वजह से पाकिस्तान क्रिकेट लगातार बेहतर हुई।

यूसुफ बोले– ये क्रिकेट के लिए जहर, बाबर की तकनीक को नहीं सुधारने पर उठाए सवाल

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने टीम से जुड़े कोचों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। यूसुफ ने दावा किया कि उन्होंने कई साल पहले ही बाबर आजम समेत पाकिस्तान के बल्लेबाजों की तकनीकी खामियों को पहचान लिया था, लेकिन कुछ कोचों ने उन्हें उन कमियों पर काम करने से रोक दिया। यूसुफ ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक कड़ा पोस्ट करते हुए टीम के कोचिंग सिस्टम पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों की जिन तकनीकी कमजोरियों को उस समय आसानी से सुधारा जा सकता था, वे अब बड़ी समस्या बन चुकी हैं। यूसुफ ने लिखा, श्ये कोच खेल के लिए जहर हैं। उनमें दूरदृष्टि नहीं है, वे प्रगति को रोकते हैं और सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी गुमराह करते हैं। अगर हमारे क्रिकेटर यह नहीं सीखते कि किसकी बात सुननी है, तो उनके करियर जितने लंबे होने चाहिए, उससे काफी पहले खत्म हो जाएंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान का दावा है कि उन्होंने कई साल पहले ही पाकिस्तान के बल्लेबाजों की तकनीकी खामियों को लेकर चेतावनी दी थी। उनका कहना है कि बाबर आजम और टीम के दूसरे खिलाड़ियों की कमजोरियों पर उस समय काम किया जा सकता था। लेकिन यूसुफ के मुताबिक, बाबर और टीम के आसपास मौजूद कुछ कोचों ने उन्हें इन तकनीकी मुद्दों पर काम करने का अवसर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उस समय सुधार नहीं किए जाने का खामियाजा अब पाकिस्तान क्रिकेट को भुगतना पड़ रहा है। यूसुफ ने लिखा, श्जो समस्याएं उस समय ठीक की जा सकती थीं, वे अब बड़ी कमजोरियों में बदल गई हैं और पाकिस्तान क्रिकेट को उस गिरावट की ओर ले गई हैं, जिसे हम आज देख रहे हैं।श यूसुफ ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों की तकनीकी कमजोरी को लेकर कहा कि अब इसकी पोल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुल चुकी है। उनके मुताबिक, बांग्लादेश से लेकर इंग्लैंड तक पाकिस्तान की बल्लेबाजी में वही समस्याएं नजर आई हैं। इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी का संकट खास तौर पर चर्चा में रहा है।

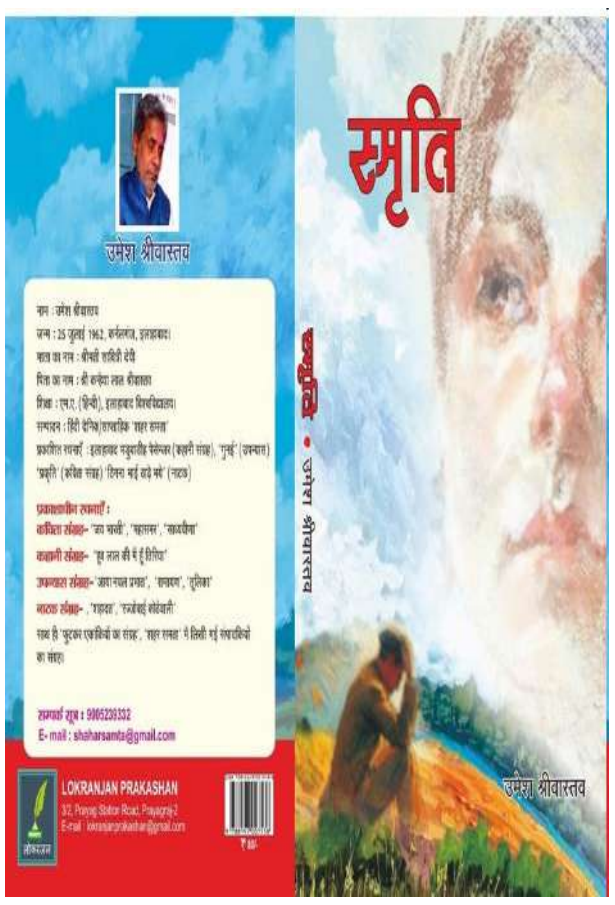

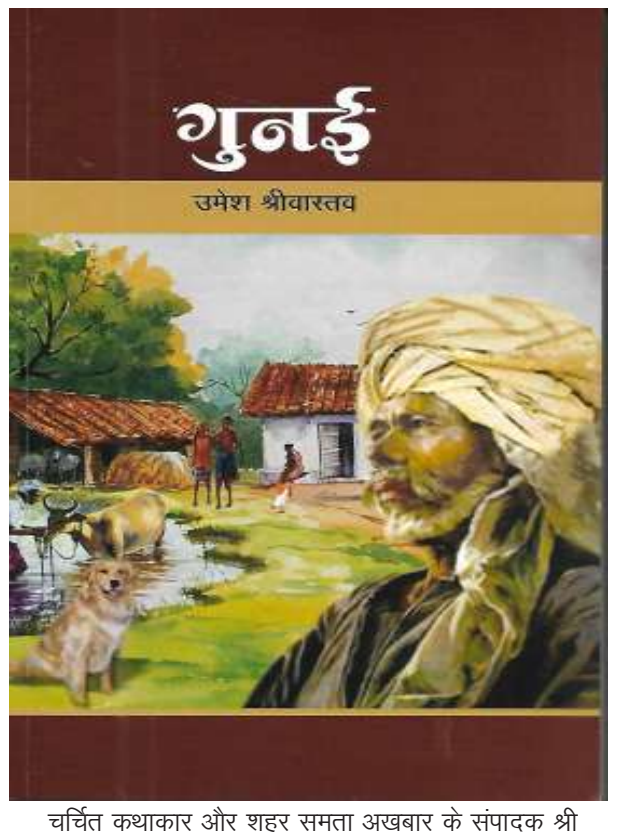

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

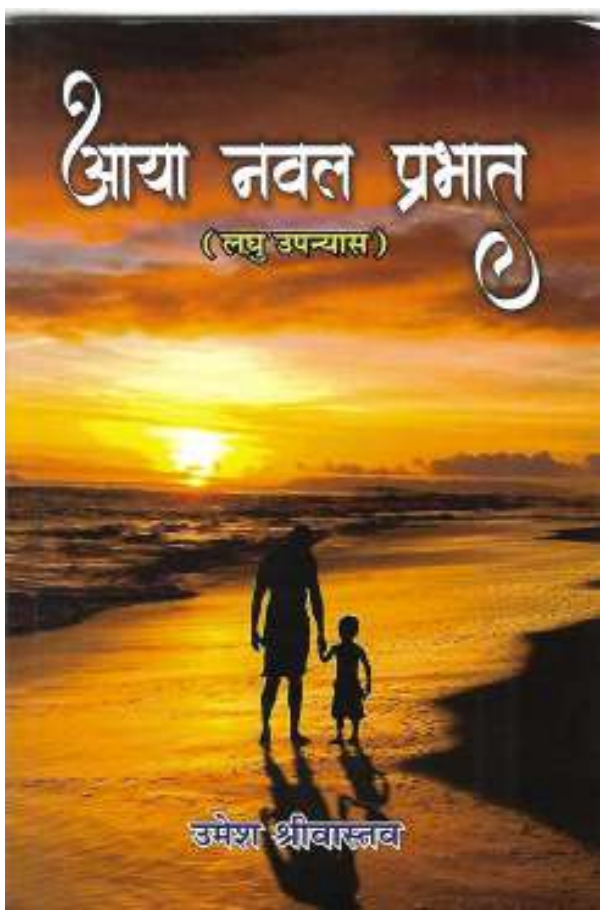

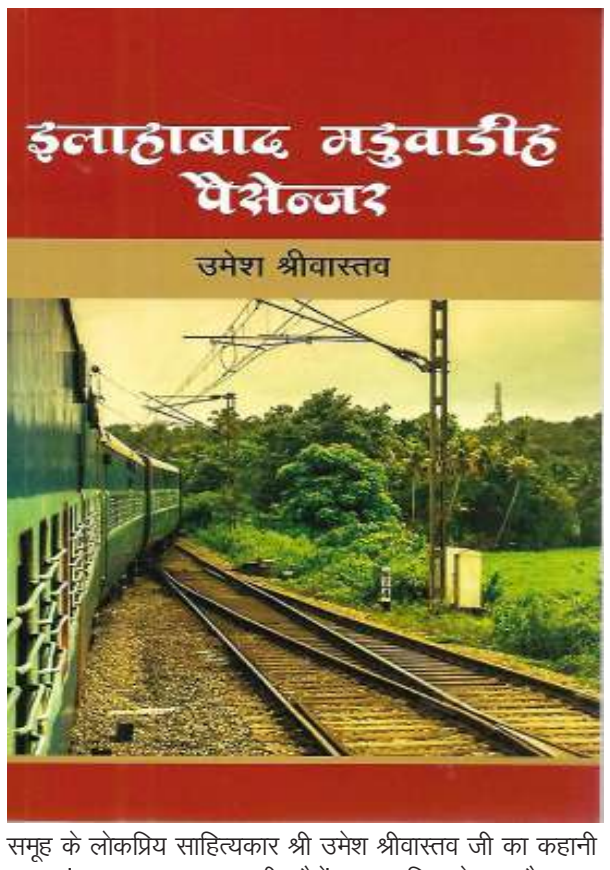

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

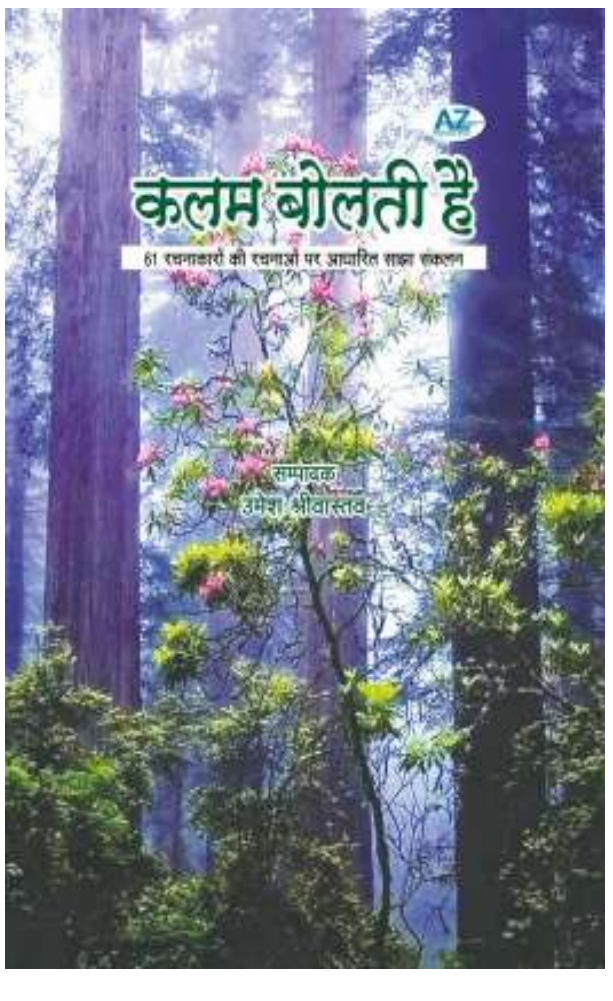

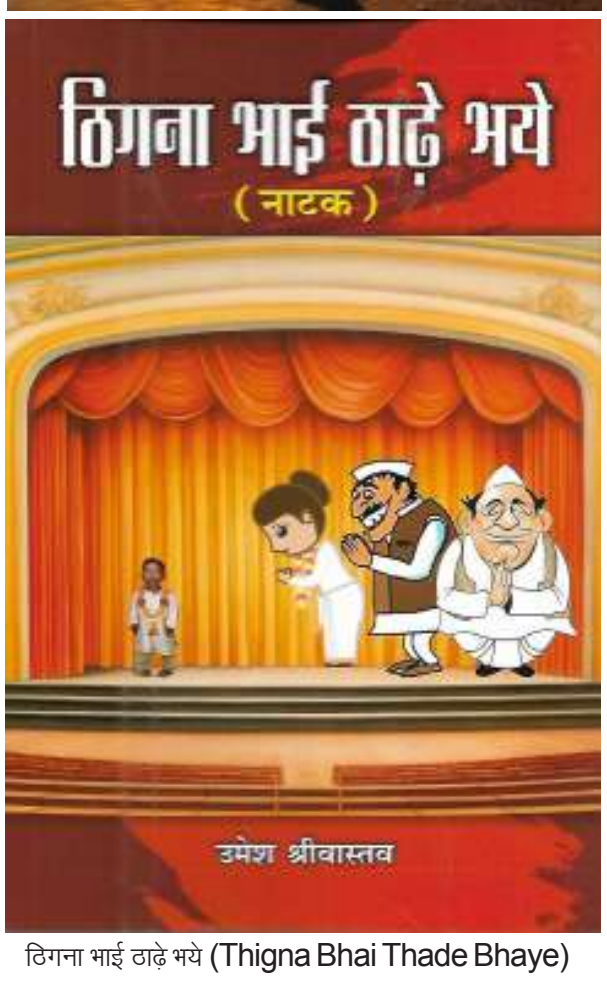

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप प्रशासन में बड़ा बदलाव: अमेरिकी सेना के सचिव ड्रिस्कॉल का इस्तीफा, क्या हेगसेथ के साथ तनाव पड़ा भारी?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सीएनएन ने मामले से परिचित तीन सूत्रों के हवाले से यह

जानकारी दी है। सीएनएन के अनुसार, एक सूत्र ने बताया कि ड्रिस्कॉल और युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के बीच तनाव को देखते हुए उनका यह फैसला हैरान करने वाला नहीं था। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने ड्रिस्कॉल के काम की सराहना की। उन्होंने कहा कि ड्रिस्कॉल ने उत्कृष्ट नेतृत्व करने के साथ रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत में भी मदद की। हालांकि, ड्रिस्कॉल के इस्तीफे का कोई कारण नहीं बताया गया है। यह सैन्य नेतृत्व में बदलाव की एक और कड़ी है। खास तौर पर अमेरिकी सेना में हाल के दिनों में बड़े स्तर पर बदलाव हुए हैं। इस्तीफे पर क्या बोला व्हाइट हाउस?

केली ने कहा, ष्सचिव ड्रिस्कॉल ने सेना विभाग में राष्ट्रपति ट्रंप के श्मेक अमेरिका स्ट्रॉन्ग अगेनश एजेंडे को आगे बढ़ाने में बेहद प्रभावी भूमिका निभाई। उन्होंने ऐतिहासिक सैन्य अभियानों के दौरान उत्कृष्ट नेतृत्व दिया, सैन्य तैयारी और युद्धक क्षमता पर फिर से जोर दिया, रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत में मदद की और कई अन्य काम किए। अमेरिकी प्रसारक के अनुसार, ड्रिस्कॉल का इस्तीफा हेगसेथ के साथ कई महीनों से चल रहे मतभेद के बाद आया है। यह ऐसे समय भी हुआ है, जब ईरान के साथ युद्ध को छह महीने हो चुके हैं। सीएनएन ने बताया कि हेगसेथ ने इस साल की शुरुआत में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज और दो अन्य जनरलों को पद से हटा दिया था। जॉर्ज और ड्रिस्कॉल एक–दूसरे के साथ करीबी तौर पर काम करते थे। ड्रिस्कॉल पूर्व आर्मी रेंजर और वेंचर कैपिटल निवेशक रहे हैं। उन्होंने सैन्यकर्मियों के लिए बेहतर जीवन स्थितियों, उपकरणों के आधुनिकीकरण और युद्ध में यूक्रेनी बलों द्वारा व्यावसायिक तकनीक के इस्तेमाल से मिली सीख को अपनाने की वकालत की। उनके नेतृत्व में निजी कंपनियों ने अमेरिकी सेना के ठिकानों पर डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनरी और भोजन की सुविधाएं विकसित करने के लिए 25 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश का वादा किया था। सीनेट ने 25 फरवरी 2025 को 66–28 मतों से ड्रिस्कॉल के नाम की पुष्टि की थी। इससे पहले ट्रंप ने उन्हें सेना सचिव के पद के लिए नामित किया था और पूर्व सैनिक, निवेशक तथा राजनीतिक सलाहकार के तौर पर उनके अनुभव को रेखांकित किया था। जेडी वेंस के सलाहकार की भी निभाई भूमिका ड्रिस्कॉल ने पहले ऑपरेशन इराकी फ्रीडम के दौरान अमेरिकी सेना की 10वीं माउंटेन डिवीजन में कैवेलरी स्काउट प्लाटून लीडर के तौर पर सेवा की थी। इसके बाद उन्होंने येल लॉ स्कूल से पढ़ाई पूरी की। बाद में उन्होंने वेंचर कैपिटल और निजी इक्विटी के क्षेत्र में काम किया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर भी सेवाएं दीं।

आपबीती: हाथ-पैर बांधे, बेड़ियों में कसा पेट..अमेरिका से लाइबेरिया-गिनी भेजे गए प्रवासियों की खौफनाक दास्तान

मोनरोविया (लाइबेरिया), एजेंसी। लुइसियाना से पश्चिमी अफ्रीका जा रही एक चार्टर्ड फ्लाइट में क्यूबाई नागरिक लियोनार्डो सांचेज (49) दर्द से तड़पते हुए घंटों तक छोटे बच्चे की तरह रोते रहे। उनके हाथ–पैर भारी लोहे की हथकड़ियों में जकड़े थे, और कमर में बंधी सख्त लोहे की बेड़ी उनके पेट में धंस रही

थी, जिससे पुरानी सर्जरी और गोलियों के घावों के चलते उन्हें बेतहाशा दर्द हो रहा था। सांचेज ने प्लेन में तैनात अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के अधिकारियों से हाथ जोड़कर मेडिकल मदद और टॉयलेट जाने की गुहार लगाई। लेकिन अधिकारियों ने बेड़ियां खोलने से साफ इन्कार कर दिया। दर्द और बेबसी के बीच सांचेज की पैंट में ही पेशाब छूट गया। यह दास्तान अकेले सांचेज की नहीं, बल्कि अमेरिका से 14 घंटे की उड़ान भरकर अफ्रीकी देश लाइबेरिया और इक्वेटोरियल गिनी पहुंचे उन दर्जनों प्रवासियों की है, जिन्हें ट्रंप प्रशासन की नई थर्ड–कंट्री डिपोर्टेशन नीति के तहत ऐसे अनजान देशों में फेंक दिया गया है, जहां से उनका दूर–दूर तक कोई नाता नहीं है। जानवरों जैसा बर्ताव किया वेनेजुएला के कार्लोस टेलेज–सांचेज डलास में कार डीलरशिप पर काम करते थे। कोर्ट का स्टे था। वर्क परमिट रिन्यू कराने गए तो गिरफ्तार कर लिया। आठ महीनों तक जेल में रखा गया और फिर लाइबेरिया भेज दिया गया। कार्लोस ने कहा, वे हमारे साथ इंसानों जैसा, इंसानों जैसा बर्ताव नहीं कर रहे थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

साठगांठ: चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो, पैसे देकर अपना प्रचार करा रहे अमेरिकी नेता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है।

चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की

निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया।

इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लूएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है। पेड पोस्ट संबंधी नियमों का उल्लंघन कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा। कैरी पोर्टर के समर्थन में इन्फ्लुएंसर्स की तीन ऐसी टिकटॉक पोस्ट सामने आईं, जिनमें भुगतान का खुलासा नहीं था। सात अन्य पोस्ट में यह जानकारी कमेंट सेक्शन में थी, जहां सामान्य दर्शक का ध यान आसानी से नहीं जाता। पेड राजनीतिक पोस्ट के लिए स्पष्ट नियम केवल कुछ अमेरिकी राज्यों में ही हैं और वे मुख्यतः राज्य तथा स्थानीय चुनावों पर लागू होते हैं। फेडरल इलेक्शन कमीशन के सामने ऐसे नियमों के प्रस्ताव तो आए हैं, लेकिन व्यवस्था लागू हुई है। लोगों को अभियान राजनीतिक होने की नहीं लगती भनक यह साठगांठ केवल उम्मीदवार और इन्फ्लुएंसर के बीच सीधे भुगतान तक सीमित नहीं है। कई मामलों में मार्केटिंग एजेंसियां और डिजिटल कंटेंट कंपनियां बीच की कड़ी बनती हैं। इससे यह पता लगाना और कठिन हो जाता है कि किसी वीडियो के पीछे राजनीतिक अभियान का पैसा है या वह वास्तव में क्रिएटर की स्वतंत्र राय है। कई राज्यों तक फैला नेटवर्क पेज डनमेयर के मामले में पाया गया कि उन्होंने कैलिफोर्निया में स्टेयर के समर्थन में वीडियो बनाए और बाद में मिशिगन तथा विस्कॉन्सिन के राजनीतिक मुद्दों पर भी सामग्री पोस्ट की। डनमेयर ने राजनीतिक और व्यावसायिक अभियानों से साइडशिफ्ट नाम की यूजीसी कंपनी के जरिये 90,000 डॉलर से अधिक कमाए। ऐसी कंपनियों से जुड़े कम से कम 87 क्रिएटर्स की गतिविधि ायां इस नेटवर्क का खुलासा करती हैं।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में चाकूबाजी: महिला ने दो लोगों को मारा चाकू, पुलिस की गोली से हमलावर ढेर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एक महिला ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हमलावर महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि हमले में घायल एक महिला की भी मौत हो गई। सोमवार को हुई यह घटना न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की एक चौकी के पास वन टाइम्स स्क्वायर के ठीक बाहर हुई। इसी इमारत में शहर में हर साल होने वाले नववर्ष की पूर्व संध्या के बॉल ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन होता है। यह न्यूयॉर्क के सबसे ज्यादा पर्यटकों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी वाले इलाकों में से एक है। घायल महिला की अस्पताल में हुई मौत

पुलिस के अनुसार, क्वींस की रहने वाली 49 वर्षीय महिला ने खरीदारी के बैग से दो चाकू निकाले। उसने पहले 68 वर्षीय व्यक्ति के पेट में चाकू मारा। इसके तुरंत बाद उसने 32 वर्षीय महिला के पेट में भी चाकू मार दिया। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत हो गई, जबकि पुरुष की हालत स्थिर है। पुलिस ने यह नहीं बताया कि दोनों पीड़ित शहर घूमने आए पर्यटक थे या स्थानीय निवासी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में कम से कम 10 पुलिसकर्मी महिला को घेरे दिखाई दे रहे हैं। उसके हाथ में रसोई में इस्तेमाल होने वाले दो बड़े चाकू थे। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने सोमवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिसकर्मियों ने कई मिनट तक महिला को चाकू छोड़ने के लिए समझाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने उस पर टेजर का इस्तेमाल किया। हमलावर महिला को पुलिस ने मारी गोली टिश के अनुसार, महिला ने पुलिसकर्मियों से कहा, ष्मैं कुछ नहीं छोड़ रही हूं, मैं तुम दोनों को मारना पसंद करूंगी।ष इसके बाद दो पुलिसकर्मियों ने महिला को गोली मार दी। राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो में महिला जमीन पर गिरती दिखाई दे रही है। इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उसके हाथ में हथकड़ी लगाई। पुलिसकर्मियों ने उसे पीठ के बल लिटाया और प्राथमिक उपचार दिया। टिश ने कहा, ष्यह टाइम्स स्क्वायर के बीचोंबीच सामने आई बेहद खतरनाक स्थिति थी, जो दुनिया का चौराहा है।ष टिश ने बताया कि महिला का न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के पास मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा रिकॉर्ड था, लेकिन उसका कोई गिरफ्तारी रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टिश ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि यह आतंकवादी हमला था। हमले के बाद क्या बोले मेयर ममदानी? पुलिस के अनुसार, पीड़ितों के नाम उनके परिजनों को सूचना दिए जाने तक जारी नहीं किए गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा, ष्हम जानते हैं कि आज जो हुआ, उससे उन परिवारों की जिंदगी बिखर गई है और हम आने वाले घंटों, दिनों और हफ्तों में उनके साथ खड़े रहेंगे। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 7वीं एवेन्यू के एक हिस्से को बंद कर दिया और लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी थी और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी वहां जांच में जुटे थे।

अमेरिकी चुनाव में सेना नहीं भेजेगा ट्रंप प्रशासन: शीर्ष सैन्य अधिकारी ने किया साफ, डेमोक्रेट्स क्यों चिंतित ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि कांग्रेस (संसद) चुनाव के दौरान

मतदान केंद्रों पर सेना भेजने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह बात ऐसे समय में कही है, जब डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चिंता जताई है। उन्हें चिंता है कि ट्रंप प्रशासन मतदान में दखल देने के लिए सेना का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने यह बात मिशिगन की डेमोक्रेट सांसद एलिसा स्लॉटकिन को लिखे एक पत्र में कही। स्लॉटकिन ने हाल ही में केन और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से यह साफ करने को कहा था कि नवंबर में मतदान केंद्रों पर सेना भेजी जाएगी या नहीं।

केन ने स्लॉटकिन को लिखे पत्र में कहा, 2026 के चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों के जवानों या केंद्र के नियंत्रण में लिए गए नेशनल गार्ड के सदस्यों को मतदान केंद्रों पर भेजने की कोई योजना नहीं है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, केन ने आगे कहा, इसी तरह ऐसे जवानों का इस्तेमाल मतपत्र, मतदान मशीन या चुनाव से जुड़ी कोई दूसरी सामग्री जब्त करने के लिए भी नहीं किया जाएगा। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री हेगसेथ को सैन्य मामलों पर सलाह देते हैं। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा, मुझे आगामी नवंबर 2026 के मध्यावधि चुनाव में सेना की भूमिका से जुड़ा कोई गैरकानूनी आदेश नहीं मिला है। न ही मुझे ऐसा कोई आदेश मिलने की उम्मीद है। डेमोक्रेट नेताओं में यह चिंता बढ़ गई है कि ट्रंप प्रशासन मध्यावधि चुनाव में दखल देने की कोशिश कर सकता है। यह चिंता खास तौर पर तब बढ़ी है, जब राष्ट्रपति ने डेमोक्रेट के नेतृत्व वाले राज्यों में स्थानीय नेताओं की आपत्ति के बावजूद संघीय एजेंट भेजे हैं। स्लॉटकिन ने अगस्त की शुरुआत में एपी से कहा था कि ट्रंप ऐसा माहौल बना रहे हैं कि बाद में चुनाव में धांधली का दावा कर सकें। उन्होंने कहा कि 2020 में चुनाव हारने के बाद ट्रंप ने वोटिंग मशीनों को जब्त करने के लिए सेना के इस्तेमाल पर विचार किया था। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की इच्छा के खिलाफ शहरों में नेशनल गार्ड भेजे हैं। इसके अलावा, 2025 में आव्रजन पर कार्रवाई के दौरान उन्होंने लॉस एंजिल्स में सक्रिय ड्यूटी वाले नौसैनिकों को भी भेजा था। संघीय कानून के तहत मतदान केंद्रों पर हथियारबंद संघीय बलों की तैनाती पर रोक है। ऐसा तभी किया जा सकता है, जब श्अमेरिका के हथियारबंद दुश्मनों को पीछे हटाने के लिए यह जरूरी हो।श अगर सेना का कोई हिस्सा चुनाव में तैनात किया जाता है, तो उसमें नेशनल गार्ड के जवान शामिल हो सकते हैं। ऐसे जवानों पर राज्य सरकार का नियंत्रण होता है। व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स ने पिछले साल एक साक्षात्कार में इस बात से इनकार किया था कि ट्रंप मध्यावधि चुनाव में मतदान को दबाने के लिए सेना का इस्तेमाल करेंगे। स्लॉटकिन की प्रेस सचिव सोनजा थ्रेशर ने कहा कि हेगसेथ ने उस पत्र का अभी तक जवाब नहीं दिया है। इस पत्र में उनसे नवंबर में मतदान केंद्रों पर सेना नहीं भेजे जाने की पुष्टि करने को कहा गया था। स्लॉटकिन ने जवाब देने के लिए पिछले गुरुवार तक का समय दिया था।

बांग्लादेश में हिंदू त्योहारों की छुट्टियां रद्द: भड़के अल्पसंख्यक, जन्माष्टमी पर नहीं रहेगी पहले जैसी रौनक?

ढाका, एजेंसी। जैसे–जैसे जन्माष्टमी के साथ अन्य हिंदू त्योहारों की समय नजदीक आ रहा है, बांग्लादेश में सरकार के प्रति हिंदुओं में रोष बढ़ता ही जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि बांग्लादेश सरकार ने जन्माष्टमी को मिलने वाला सरकारी अवकाशघ्रद्द कर दिया है। ढाकेश्वरी मंदिर, चट्टग्राम, सिलहट समेत कई मंदिरों में जन्माष्टमी मनाई जानी है, लेकिन इस बार यहां जन्माष्टमी को आधिकारिक छुट्टी नहीं रहेगी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, इस वर्ष 2 जनवरी को ही बांग्लादेश में सरस्वती पूजा, जन्माष्टमी, दुर्गाष्टमी और बुद्ध पूर्णिमा की सरकारी छुट्टियां रद्द कर दी गईं। हिंदू जागृति समिति व इसकी अगुवाई में हिंदुओं ने इसका भारी विरोध किया है। हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हिंसा के चलते ढाका, सिलहट, खुलना, कुमिला, जेसोर और मीरपुर में बड़े–बड़े जुलूस नहीं निकाले जा रहे हैं इस बार भी यहां उत्साह फीका रहेगा। देश के अखबार प्रोथोम आलो के मुताबिक, इस बार मंदिरों में जन्माष्टमी समारोह तो होंगे लेकिन दस दिन पूर्व से बाजारों में जो उत्साह देखा जाता था वह इस बार नहीं है। बांग्लादेश में एक समय रहा है जब हिंदू पर्वों के लिए मंदिरों में उत्साह होता था और बड़े बड़े उत्सव तथा जुलूस निकाले जाते थे, लेकिन अब देश में पूर्व पीएम शेख हसीना के कार्यकाल जैसी उमंग नहीं दिख रही।

2028 राष्ट्रपति चुनाव: हेगसेथ के नाम की अटकलों पर ट्रंप ने लगाया विराम, बोले- अभी बहुत जल्दी है, पहले मिडटर्म

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की अटकलों को फिलहाल खारिज करते हुए कहा कि इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी है। ट्रंप ने जोर दिया कि पार्टी और सरकार का ध्यान पहले आगामी मिडटर्म चुनावों पर होना चाहिए। हेगसेथ के 2028 चुनाव लड़ने पर क्या

बोले ट्रंप? ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि हेगसेथ शानदार काम कर रहे हैं, लेकिन 2028 के चुनाव को लेकर चर्चा के लिए अभी काफी समय है। उन्होंने कहा पहले हमें मिडटर्म चुनावों से गुजरना होगा। ट्रंप ने हेगसेथ को बहुत अच्छे व्यक्ति के तौर पर बताया और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी में 2028 के लिए संभावित उम्मीदवारों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है। उनके मुताबिक, कई ऐसे लोग भी चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे होंगे, जिनके नाम अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। अभी किस पर ध्यान दे रहे हैं हेगसेथ? ट्रंप ने कहा कि इस समय हेगसेथ का पूरा ध्यान सेना की तैयारियों और अमेरिकी सैनिकों की जरूरतों पर है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हेगसेथ की प्राथमिकता सैन्य मामलों पर ही केंद्रित है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने विदेशों में हालिया सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी कार्रवाई का भी उल्लेख किया और दावा किया कि वहां अमेरिका अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। 2028 की खबर पर हेगसेथ ने क्या कहा था? ट्रंप की टिप्पणी से पहले पीट हेगसेथ ने एनबीसी न्यूज की उस रिपोर्ट को खारिज किया था, जिसमें दावा किया गया था कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र काम अमेरिकी रक्षा विभाग को मजबूत बनाना है और वह इसी जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्यों अहम है ट्रंप का बयान? अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद अगले चुनाव को लेकर राजनीतिक अटकलें अक्सर समय से पहले शुरू हो जाती हैं। हालांकि, ट्रंप और हेगसेथ दोनों की ओर से 2028 की चर्चा को फिलहाल खारिज किए जाने से संकेत मिलता है कि रिपब्लिकन नेतृत्व का सार्वजनिक फोकस आगामी मिडटर्म चुनाव और रक्षा प्राथमिकताओं पर बनाए रखने की कोशिश है।

पाक में मदरसा की जमीन के लिए ढहाया सदी पुराना मंदिर

एजेंसी, लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले में एक सदी से भी अधिक पुराने हिंदू मंदिर को ढहा दिया गया। स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक संगठनों ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार से यह कदम मंदिर की जमीन को मदरसे में मिलाने के लिए उठाया है। वहीं, वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार ने मंदिर के मूसलाधार बारिश से ढहने का दावा किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।